संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 312
पृष्ठ 8
रविवार
03 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- झुर्रियों से लेकर एक्ने दूर करेंगे कॉफी..

विचार- अबकी बार ट्रंप का वार

खेल- बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज...

प्रधानमंत्री मोदी की खरी-खरी, बोले-

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता कांग्रेस और उनके चेले-चपाटे नहीं पचा पा रहे

वाराणसी,संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जिले के सेवापुरी स्थित बनौली गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भगवान महादेव के चरणों में समर्पित किया। उन्होंने कहा कि महादेव के आशीर्वाद से ही यह ऑपरेशन सफल हो सका है। भाषण के दौरान पीएम मोदी ने विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की जा रही श्अनर्गल बयानबाजीश के खिलाफ तीखा हमला बोला। उन्होंने देश की एकता और आत्मनिर्भर भारत की ताकत पर

जोर देते हुए विपक्ष को आड़े हाथों लिया।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर सबसे ज्यादा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर देश के कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। कांग्रेस, उनके चेले–चपाटे और उनके दोस्त इस बात को पचा नहीं पा रहे कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर लिया। पाकिस्तान दुखी है, ये समझा जा सकता है, लेकिन पाकिस्तान का दुख कांग्रेस और सपा को सहन नहीं हो रहा। उधर आतंक का आका रोता है, इधर कांग्रेस और सपा वाले आतंकियों की हालत देखकर रोते हैं। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमारी सेनाओं के पराक्रम का लगातार अपमान कर रही है और ऑपरेशन सिंदूर को श्तमाशाश कहा जा रहा है। पीएम ने जनता से पूछा कि आप ही बताएं कि क्या सिंदूर कभी तमाशा हो सकता है? हमारी सेना का पराक्रम और बहनों के सिंदूर के बदले को तमाशा कहने की हिम्मत और निर्लज्जता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सपा पर भी प्रधानमंत्री ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति में समाजवादी पार्टी पीछे नहीं है। सपा के नेता संसद में कह रहे थे कि पहलगाम के आतंकियों को अभी क्यों मारा। अब बताइए, क्या उन्हें फोन करके पूछूं..श्कि मारूं कि न मारूं? क्या आतंकियों को मारने के लिए इंतजार करना चाहिए?ष उन्होंने याद दिलाया कि जब सपा यूपी की सत्ता में थी, तब आतंकियों को क्लीनचिट देती थी और बम धमाकों के आरोपी आतंकियों से मुकदमे वापस लेती थी। पीएम ने कहा कि इन्हें आतंकियों के मारे जाने और ऑपरेशन सिंदूर के नाम से परेशानी हो रही है।

काशी में बोले मुख्यमंत्री योगी

दुश्मनों को उनके घर में घुसकर खत्म करने की क्षमता रखता है नया भारत

वाराणसी,संवाददाता। सीएम योगी ने कहा नया भारत दुश्मनों को उनके घर में घुसकर खत्म करने की क्षमता रखता है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की शक्ति का एहसास दुनिया को कराया। पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। पीएम के नेतृत्व में काशी को अब तक हजारों करोड़ की परियोजनाओं का उपहार मिला। किसान और दिव्यांगजन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे रहे हैं। अन्नदाता किसानों की 11 वर्ष पहले क्या स्थिति थी, खेती से पलायन होता था, आत्महत्या करने के लिए विवश होते थे। आज हेल्थ कार्ड से लेकर प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, बीज को बाजार तक पहुंचाने के लिए एक इको सिस्टम जो 11 वर्षों में बनाया है। उससे उत्तर प्रदेश के अंदर इस बात को महसूस करते हैं, कि करोड़ों किसान सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ जुड़कर आत्मनिर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान दे रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के सामर्थ्य और शक्ति का अहसास किया है। पहलगाम के आतंकियों को मिट्टी में मिला करके, दुश्मन के घर में घुसकर उनका खात्मा करने का साहस ये नया भारत रखता है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री मोदी का काशी की धरती पर आगमन हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि इस बार फिर से 2200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उपहार अपनी काशी को देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आगमन काशी में हुआ है। यह परियोजनाएं शिक्षा के लिए भी हैं।

संविधान खतरे में, स्वायत्त संस्थाएं भाजपा, आरएसएस के निशाने पर- खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संविधान को खतरे में बताते हुए भाजपा–आरएसएस पर शनिवार को तीखा हमला किया और कहा कि उनकी विचारधारा संविधान विरोधी है इसलिए चुनाव आयोग तथा उपराष्ट्रपति जैसी संस्थाओं की स्वायत्तता खत्म कर संसदीय परंपरा को खत्म किया जा रहा है।श्री खरगे ने यहां विज्ञान भवन में कांग्रेस विधि विभाग के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की आत्मा है जो हर भारतीय को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे का अधिकार देता है लेकिन आज यही संविधान खतरे में है। सत्ता में बैठे लोग इसके मूल स्वरूप को बदलने की बात कर रहे हैं। भाजपा आरएसएस के बड़े–बड़े नेताओं का इरादा संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द हटाना है जबकि इनकी पार्टी के संविधान में ये दोनों शब्द हैं। इस दोहरे रवैये से भाजपा और आरएसएस के चाल, चेहरा और चरित्र को समझा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा की जिम्मेवारी न्यायपालिका, चुनाव आयोग और मीडिया की है इसलिए इनकी स्वतंत्रता जरूरी है, लेकिन जब एक न्यायाधीश धर्म विशेष के लोगों के लिए अपशब्द बोलते हैं और उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। ऐसे समय में जब सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया से मुख्य न्यायाधीश को हटा दे और मीडिया को पूंजीपतियों के माध्यम से नियंत्रित करे तो यह लोकतंत्र नहीं तानाशाही है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों और दलितों के साथ भेदभाव आम हो गया है। प्रधानमंत्री चुनाव में 'मटन, मुगल और मंगलसूत्र' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर समाज को बांटने का काम करते हैं और चुनाव आयोग इस पर मौन रहता है। इधर मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर सघन अभियान चलाया जा रहा है जिसमें लाखों गरीबों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। बिहार में करीब 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गये हैं। पूरे देश में यही करने की इनकी योजना है। उनका कहना था कि संविधान निर्माताओं ने सबके वोट को समान मूल्य का अधिकार दिया है और यह पंडित नेहरू, डॉ अंबेडकर, संविधान सभा के सभी सदस्यों और कांग्रेस पार्टी की देन है।

श्री खरगे ने कहा कि आज भाजपा सरकार और चुनाव आयोग की वजह से यही संवैधानिक अधिकार खतरे में हैं। उच्चतम न्यायालय ने इसकी गंभीरता को समझा है लेकिन न्यायालय की बार–बार की सलाह के बावजूद चुनाव आयोग ने आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड आदि को मतदान मतदाता सूची के लिए अधिकृत दस्तावेज मानने से इनकार कर दिया है। देश की एक फीसदी आबादी के पास 40 प्रतिशत संसाधन हैं। उच्च शिक्षा आम व्यक्ति की पहुँच से बाहर हो गई है। निजी कॉलेजों में साधारण स्नातक के लिए शुल्क 60 लाख रुपये तक है। सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं ताकि निजी स्कूलों को बढ़ावा दिया जा सके। शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसर आज कमजोर वर्गों के लिए सपना बन गया है। विपक्षी सरकारों को गिराकर अल्पमत की सरकारें बनाना, नेताओं पर झूठे मुकदमे चलाना, सरकार से प्रश्न पूछने वालों को जेल में डालना, सूचना के अधिकार कार्यकर्ताओं की हत्याएं हो रही हैं और सूचना के अधिकार कानून को कमजोर करना आम बात हो गयी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में विपक्षी सांसदों को बोलने नहीं दिया जाता है। सरकार राज्य सभा में उपराष्ट्रपति के माध्यम से सांसदों की आवाज दबाने की कार्रवाई करते हुए रिकार्ड संख्या में सांसदों को निलम्बित कर रही थी। इन सब गतिविधियों से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुश थे। लेकिन इसी बीच उपराष्ट्रपति को अपने पद की अहमियत का अहसास हुआ और उन्हें अचानक लगा कि वह एक स्वायत्त संस्था हैं। उनका कार्यकाल इतिहास मे दर्ज होगा और आगे याद किया जाएगा, तो वो स्वतंत्र होकर बात करने लगे और नियम के तहत खुद को मुखर करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायायल के न्यायाधीश शेखर यादव और न्यायाधीश यशवंत वर्मा के अभियोग का प्रस्ताव स्वीकार करने का मन बना लिया। श्री मोदी और भाजपा से यह बर्दाश्त नहीं हुआ और उपराष्ट्रपति का इस्तीफा करवा दिया। यह इतिहास में पहली बार हुआ और यह संस्थाओं पर कब्जे का सबसे बड़ा उदाहरण है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कल ही उन्होंने उपसभापति को पत्र लिखकर सदन में अर्द्ध सैनिक बल सीआईएसएफ की मौजूदगी के बारे में आपत्ति दर्ज की है। सदन में बाहरी हस्तक्षेप को रोकने के लिए संविधान निर्माताओं ने संसदीय सुरक्षा सेवा की स्थापना की थी।

चुनाव आयोग की हकीकत पूरे देश को बताएंगे-राहुल

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि चुनाव आयोग की गतिविधियों पर उन्हें 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली जबरदस्त जीत के बाद से ही संदेह पैदा हो गया था और जब उन्होंने इसकी सच्चाई जानने का प्रयास किया तो जो हकीकत सामने आयी उसको वह पूरे देश को अवगत कराएंगे।

श्री गांधी ने शनिवार को यहां विज्ञान भवन में पार्टी के विधि विभाग के वार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से ही उन्हें चुनाव प्रणाली पर संदेह हो रहा है। उस समय भाजपा का इतनी बड़ी जीत हासिल करने पर उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ था। बाद में भी इसी तरह की स्थिति वह देखते रहे हैं।

उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में जो हुआ, उसने मुझे इस मुद्दे को गंभीरता से लेने पर मजबूर कर दिया। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह सकता था लेकिन अब मैं बिना किसी संदेह के कहता हूँ कि हमारे पास सबूत हैं। हम पूरे देश को दिखाएंगे कि चुनाव आयोग जैसी संस्था ठीक से काम नहीं करती है। उसने समझौता किया है। हमें सबूत ढूँढ़ने में छह महीने जरूर लग गए लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों को स्कैन या कॉपी नहीं किया जा सकता। सवाल है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची पर स्कैन और कॉपी सुरक्षा क्यों लागू करता है।"

श्री गांधी ने कहा कि राजनेता होने के नाते उनका एक बड़ा काम दूसरे राजनेताओं से मिलना होता है।

जलवायु परिवर्तन पर कोर्ट सख्त, कार्बन उत्सर्जन से निपटने के लिए ऊर्जा मंत्रालय को दिए निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बिजली उत्पादन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को रोकने के लिए सभी संबंधित पक्षों को एक साझा मंच पर लाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने ऊर्जा मंत्रालय से केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और विद्युत नियामक आयोग के साथ बैठक बुलाने को कहा है। इसका उद्देश्य उत्सर्जन कम करने के लिए ठोस और व्यावहारिक योजना तैयार करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बिजली उत्पादन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन की समस्या से निपटने के लिए सभी संबंधित पक्षों को एक साझा मंच पर आना होगा। कोर्ट ने ऊर्जा मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी)

के साथ संयुक्त बैठक बुलाकर इस दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार करे। कोर्ट का मानना है कि नीति निर्धारकों को जमीनी वास्तविकताओं से जोड़े बिना उत्सर्जन की चुनौती को दूर नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने 22 जुलाई के अपने आदेश में कहा कि बिजली उत्पादन से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए यह आवश्यक है कि सभी स्टेकहोल्डर एक ही मंच पर आकर योजना बनाएं और उसे सुसंगत रूप से लागू करें। कोर्ट ने इस मुद्दे पर नीति बनाने वालों और क्रियान्वयन एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता भी जताई।

यह निर्देश उस याचिका पर सुनवाई के दौरान आया जो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के एक आदेश से संबंधित है। एनजीटी ने पर्यावरण मंजूरी देने से पहले जलवायु परिवर्तन संबंधी प्रभावों का मूल्यांकन करने की मांग को लेकर आदेश पारित किया था। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीईए और सीईआरसी को मामले में पक्षकार बनाते हुए नोटिस जारी किया और ऊर्जा मंत्रालय को चार सप्ताह में योजना पर आधारित एक संयुक्त हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने 21 फरवरी 2025 के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन अब एक वैश्विक संकट बन चुका है, जो केवल पर्यावरणीय क्षरण तक सीमित नहीं है।

इसका असर तापमान वृद्धि, अनियमित मौसम, बाढ़, सूखा और लू जैसे चरम मौसमी घटनाओं के रूप में सामने आ रहा है। कोर्ट ने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए समन्वित प्रयास जरूरी हैं।

चुनाव आयोग ने बीएलओ स्तर के अधिकारियों का परिश्रम दोगुना किया

नयी दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का पारिश्रमिक दोगुना करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही आयोग ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और सहायक अधिकारियों को भी मानदेय देने का निर्णय किया है। आयोग ने शनिवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि मतदाता सूची बनाने और पुनरीक्षण कार्य में लगे अधिकारियों के पारिश्रमिक में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। बीएलओ का वार्षिक पारिश्रमिक दोगुना कर दिया है। इसके अलावा, बीएलओ पर्यवेक्षकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की गई है। चुनाव आयोग ने कहा है कि इसके साथ ही पहली बार निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी को भी मानदेय देने का निर्णय लिया गया है।

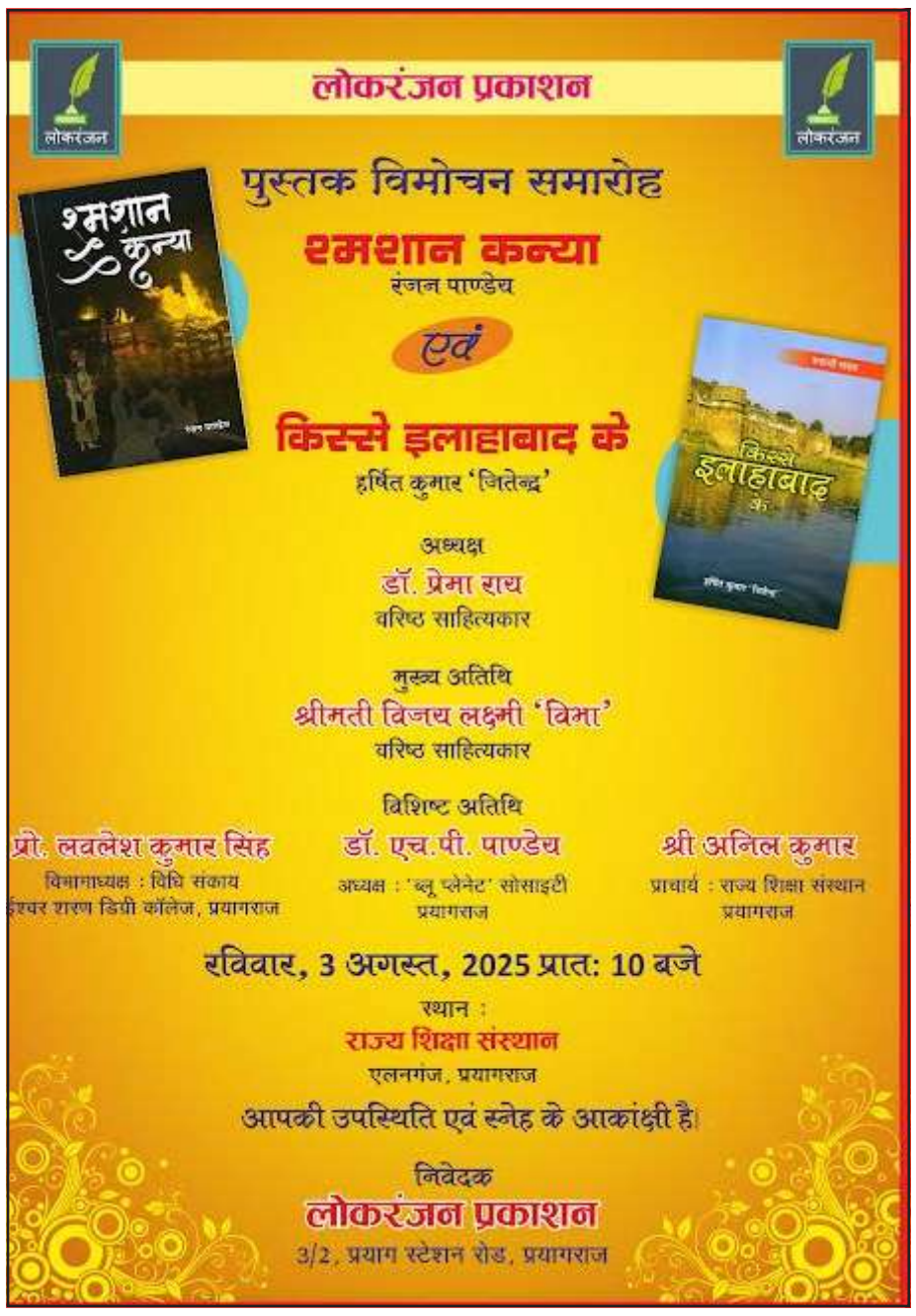

भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग नैनी जेल से रिहा, नौकरानी के मौत के मामले में हुए थे गिरफ्तार

प्रयागराज। भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग शनिवार को जेल से रिहा हो गए। नौ महीने तक जेल में रहने के बाद वह बाहर आए हैं। जेल के बाहर सपाइयों ने जोरदार स्वागत किया और उन्हें फूलमालाओं से लाद दिया। हाईकोर्ट ने गत 23 जुलाई को ही उनकी जमानत अर्जी मंजूर कर ली थी। अदालत से परवाना देर में पहुंचने के कारण जमानत मिलने के बाद भी उनको करीब 10 दिन तक जेल में रहना पड़ा।

नाबालिग नौकरानी की मौत के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजे गए भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग शनिवार को जेल से रिहा हो गए। जिला जेल नैनी से बाहर निकलने पर उन्हें समर्थकों ने फूलमालाओं से लाद दिया। इसके बाद कई वाहनों

के काफिले के साथ वह भदोही के लिए रवाना हो गए। सपा विधायक का स्वागत करने के लिए भदोही के साथ ही प्रयागराज के भी बड़ी संख्या में सपा के नेता जेल के बाहर पहुंचे थे। 23 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा विधायक को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। उनकी पत्नी और बेटे को पहले ही जमानत मिल चुकी है। भदोही के सपा विधायक जाहिद जमाल बेग को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 23 जुलाई को सुनवाई करते हुए जमानत मंजूर कर ली थी। कोर्टका परवाना जेल में देर से पहुंचने के चलते उनको जेल से बाहर निकलने में 10 दिन से ज्यादा का समय लग गया। उनकी पत्नी सीमा बेग को भी कुछ दिन पहले कोर्ट से अग्रिम जमानत मिली है। नौकरानी की मौत के मामले में विधायक, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, बंधुआ मजदूरी कराने और मानव तस्करी समेत कई मामले दर्ज किए गए थे। यह मुकदमा श्रम विभाग की ओर से दर्ज कराया गया था।

भदोही के मलिकाना मोहल्ले में सपा विधायक जाहिद बेग के आवास पर बीते आठ सितंबर 2024 को एक किशोरी ने फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर लिया था, जबकि एक दूसरी नाबालिग नौकरानी भी बरामद हुई थी। इस मामले में पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और श्रम अधिनियम में विधायक, उनकी पत्नी सीमा बेग एवं बेटे जईम बेग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। हालांकि, पत्नी को अग्रिम जमानत मिल चुकी है। वहीं, विधायक और बेटे को भी अब सभी मामलों में जमानत मिल गई है।

कैरी बैग के लिए 7 रुपये शुल्क लेने पर मॉल पर 5,000 का जुर्माना, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का आदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में कैरी बैग के लिए सात रुपये शुल्क लेने पर मॉल पर 5,000 का जुर्माना लगाया गया है। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने यह आदेश जारी किया है।

प्रयागराज जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कहा कि ग्राहक से कैरी बैग के लिए अतिरिक्त सात रुपये लेना अनुचित व्यापार प्रथा व सेवा कमी है। यह टिप्पणी करते हुए आयोग ने

मैक्स रिटेल को एक ग्राहक से कैरी बैग के लिए सात रुपये अतिरिक्त शुल्क लेने पर 5,000 रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। साथ ही एक हजार रुपये वाद व्यय देने का आदेश दिया है। यह फैसला आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम व सदस्य प्रकाश चंद्र त्रिपाठी ने सुनाया है। कमलेश कुमार ओझा ने 11 फरवरी, 2019 को मैक्स रिटेल स्टोर से 6,141 रुपये की खरीदारी की थी। कैस काउंटर पर उनसे कैरी बैग के लिए सात रुपये का अतिरिक्त शुल्क लिया गया। कमलेश ने कहा कि सामान खरीदने पर पैकेजिंग की जिम्मेदारी दुकानदार की होती है, ग्राहक की नहीं। इसके बाद उन्होंने 9 जून 2020 को संबंधित मॉल को कानूनी नोटिस भेजा और मुआवजे की मांग की। मॉल ने अपने को सही ठहराते हुए जिम्मेदारी से इन्कार किया। इसके बाद कमलेश ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में वाद दायर किया।

कोरोना के बाद पहली बार 300 से कम विमानों का आवागमन

प्रयागराज। महाकुंभ के मौके पर एयरपोर्ट जहां देश के सर्वाधिक 20 व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल हो गया था, वहीं अब यहां विमानों एवं यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आ गई है। जुलाई 2025 में एयरपोर्ट निर्माण के बाद यह पहला मौका है जब यहां माह भर में 291 विमानों की ही आवाजाही हुई।

महाकुंभ के मौके पर एयरपोर्ट जहां देश के सर्वाधिक 20 व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल हो गया था, वहीं अब यहां विमानों एवं यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आ गई है। जुलाई 2025 में एयरपोर्ट निर्माण के बाद यह पहला मौका है जब यहां माह भर में 291 विमानों की ही आवाजाही हुई। कोरोना के बाद विमानों की आवाजाही की यह अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है।

तमाम शहरों की सीधी विमान सेवा बंद होने के बाद जून 2020 के बाद यह पहला मौका है जब जुलाई 2025 में विमानों की आवाजाही का आंकड़ा 300 के नीचे आ गया। आने वाले दिनों में भी यात्रियों का आंकड़ा ज्यादा बढ़ता दिखाई नहीं दे रहा है, क्योंकि नागर विमानन निदेशालय (डीजीसीए) के समर शेड्यूल में एक भी नई उड़ान प्रयागराज से शुरू नहीं हो रही है।

एयरपोर्ट से विमानों की आवाजाही जनवरी 2019 में शुरू हुई। तब से अब तक कोरोना के दौरान अप्रैल 2020 में लॉकडाउन की वजह से एक भी विमान का आवागमन नहीं हुआ था। मई 2020 में 36 तो जून 2020 में 236 विमानों की आवाजाही हुई थी। उसके बाद से अब यह पहला मौका है जब प्रयागराज एयरपोर्ट में पिछले माह जुलाई में 300 से कम विमानों का आवागमन हुआ। वहीं, जुलाई 2024 में 536 विमानों का आवागमन हुआ था।

जर्जर भवन में काम करते हैं बिजली कर्मचारी

प्रयागराज। शहर के मध्य हिस्से में स्थित बिजली विभाग की बिजली घर के नाम से चर्चित इमारत आज खुद संकट में है। कभी कोलकाता की मार्टिन कंपनी का बनाया गया यह भवन प्रयागराज में रोशनी फैलाने का आधार हुआ करता था लेकिन आज वही भवन खस्ताहाल, जीर्ण–शीर्ण और खतरे से भरा हुआ है। आज यहां छतों से पानी टपकता है, दीवारों में दरारें पड़ चुकी हैं और खंभों की मजबूती जवाब देने लगी है। बावजूद इसके इसी जर्जर ढांचे के अंदर विभाग के 100 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं और प्रतिदिन सैकड़ों उपभोक्ता अपनी समस्याएं लेकर यहां पहुंचते हैं।

यह भवन 1961 से भी पहले का बताया जा रहा है। बिजली कर्मचारी संघ का एक पुराना बोर्ड यहां आज भी लगा है, जिस पर 1961 से संचालन का उल्लेख है। पुराने कर्मचारियों के अनुसार यह भवन पहले कोलकाता की मार्टिन कंपनी का पावर हाउस हुआ करता था। यहीं पर कंपनी बिजली का उत्पादन करती थी। इसी परिसर से शहर में बिजली की आपूर्ति होती थी। करीब 1980 के दशक में कंपनी ने उत्पादन बंद किया और जमीन उत्तर प्रदेश विद्युत विभाग को लीज पर दे दी गई। इसके बाद से ही इस परिसर में उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की विभिन्न शाखाओं और डिवीजनों का विस्तार होता चला गया। कर्मचारियों की मानें तो सबसे पहले कल्याणी देवी डिवीजन का संचालन होता था। वर्तमान में यहां अधिशासी अभियंता करैलाबाग, रामबाग, कल्याणी देवी डिवीजन के अलावा निर्माण खंड, परीक्षण खंड, एसडीओ पावर हाउस, मीटर सेक्शन, विजिलेंस थाना और सीओ विजिलेंस का कार्यालय है। जनसुनवाई, बिलिंग, मीटर रीडिंग, शिकायत निवारण से संबंधित तमाम कार्य यही से होते हैं। बारिश में घुटनों तक पानी इस परिसर की सबसे भयावह स्थिति तब सामने आती है जब बारिश होती है। पानी छत से टपकता है, दीवारों से रिसता है और पूरे परिसर में घुटनों तक पानी जमा हो जाता है। पानी के साथ गंदगी और बदबू भी फैल जाती है, जिससे

संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इतना ही नहीं, पानी लगने के कारण शॉर्ट सर्किट और करंट फैलने की संभावना भी बनी रहती है। कर्मचारियों को फाइलें बचाने के लिए उन्हें टेबल पर ऊपर रखना पड़ता है। कंप्यूटर, प्रिंटर और सर्वर की सुरक्षा चुनौती बन जाती है। कई कमरों में एसी तो है लेकिन अधिकांश स्टाफ अब भी वर्षों पुराने पंखों के सहारे काम करता है। सुरक्षा भगवान भरोसे, सर्वे हुआ लेकिन कार्रवाई नहीं कर्मचारियों के अनुसार विभाग की ओर से कुछ समय पहले सर्वे कराया गया था। कंस्ट्रक्शन विभाग के लोगों ने आकर निरीक्षण किया और भवन को 'जर्जर घोषित भी किया लेकिन उसके बाद से न कोई नोटिफिकेशन आया और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था। न तो नए भवन की योजना बनी और न ही मौजूदा भवन की मरम्मत कराई गई। अब हालत यह है कि किसी भी समय कोई हादसा हो सकता है। संबंधित अफसरों ने इस प्रकरण में अभी कोई अपडेट नहीं लिया। हर दिन खतरे के बीच काम, फाइलों की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती वर्तमान में इस भवन में लगभग 100 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। हर दिन सैकड़ों उपभोक्ता बिल जमा करने, शिकायत दर्ज कराने या जानकारी लेने यहां आते हैं। बरसात में सबसे अधिक खतरा फाइलों को भीगने और सिस्टम के खराब होने का होता है। शिकायतें दर्ज करने के लिए बने काउंटरों के नीचे पानी भर जाता है। उपभोक्ताओं की लाइनें पानी में लगती हैं। कर्मचारी प्लास्टिक या ईंट रखकर चलते हैं। मीटर रीडिंग की रिपोर्ट, उपभोक्ता डेटा और जनसुनवाई की फाइलें भीगने से बचाने के लिए प्लास्टिक कवर और ऊंची अलमारियों का सहारा लिया जाता है। 50 साल पुराने पंखे जो आज भी चलते हैं इस इमारत की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो बीते जमाने की इंजीनियरिंग का नमूना कही जा सकती हैं। यहां लगे लोहे के पुराने भारी पंखे आज भी बिना किसी मरम्मत के पूरे दिन चलते हैं। बंद करने के बाद भी कुछ देर तक घूमते रहते हैं। कर्मचारियों का कहना है कि ये उस समय की टेक्नोलॉजी का कमाल है। हालांकि अब इन्हीं पंखों के सहारे अधिकांश कर्मचारियों का काम चल रहा है क्योंकि अधिकतर कमरों में एसी की सुविधा नहीं है। पार्किंग का भी इंतजाम नहीं है। बिजली विभाग के कई कार्यालय यहां बने हैं और अफसरों से लेकर कर्मचारियों तक की गाड़ियां खड़ी करने के लिए पार्किंग नहीं है। पार्किंग स्थल न होने से गाड़ियां गली में खड़ी करनी पड़ती है। बाइक तो कई जगह खड़ी कर देते हैं लेकिन कार के लिए समस्या बनी रहती है। बिजली कर्मचारियों की तरह ही बिजली उपभोक्ता भी अपनी गाड़ी खड़ी करने के लिए परेशान रहते हैं। यही कारण है कि उपभोक्ता अपनी बाइक सड़क पर खड़ी करके अंदर जाते हैं। शिकायतें – भवन अत्यधिक जर्जर हो चुकी है, छज्जे गिर चुके हैं और दीवारें दरक चुकी हैं। – बरसात में परिसर जलमग्न हो जाता है, जिससे काम ठप हो जाता है। – खुली वायरिंग और सीलन के कारण शॉर्ट सर्किट का खतरा बना रहता है। – पूरे परिसर में कहीं भी अग्निशमन का कोई इंतजाम नहीं है। –विभागीय रिपोर्ट के बावजूद अब तक पुनर्निर्माण या स्थानांतरण नहीं किया गया है। समाधान – इस भवन को तत्काल खाली कर वैकल्पिक भवन में स्थानांतरित किया जाए। –नए कार्यालय भवन के निर्माण के लिए बजट और टेंडर की प्रक्रिया शीघ्र शुरू हो। –अस्थायी रूप से जल निकासी और छत मरम्मत का कार्य बरसात से पूर्व किए जाए। –कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए वायरिंग ठीक हो और अग्निशमन के उपाय किए जाएं। –एक स्वतंत्र तकनीकी समिति भवन की पूर्ण सुरक्षा जांच कर उसकी रिपोर्ट जारी करे। हमारी भी सुनें भवन बहुत पुराना है। बारिश में इतनी परेशानी होती है कि बैठना मुश्किल हो जाता है। संबंधित विभाग ने इस जर्जर इमारत को देखकर सर्वे कराया था लेकिन इसके बाद कोई कार्य नहीं हुआ।–सोनू बारिश के कारण गंदगी और बदबू की समस्या होती है। हम रोज इसमें काम करते हैं। कई बार इंफेक्शन हो जाता है और पूरे शरीर में खुजली होने लगती है। इतना ज्यादा संकरा है कि सफाई नहीं हो पाती।– सचिन – बारिश होते ही पूरा ऑफिस कीचड़ और गंध से भर जाता है। ज़रा सा पानी आते ही घुटनों तक भर जाता है। इस माहौल में काम करना पड़ता है। यहां पर कर्मचारियों के साथ उपभोक्ताओं को समस्या होती है।–ओमप्रकाश – मेरी ड्यूटी गेट पर रहती है। उपभोक्ताओं को कार्यालय में ले जाता हूं। कुछ दिन पहले ही छज्जा गिरा, बाल–बाल बचा। बड़ा हादसा हो सकता था। गनीमत थी कि उस वक्त नीचे नहीं खड़ा था।–राजू – उपभोक्ता बाहर से आते हैं, लेकिन बारिश में बिलिंग काउंटर तक नहीं पहुंच पाते। जमीन पर पानी ही पानी रहता है। वैसे ही बिना बारिश के यहां पर स्थिति खराब रहती है। जर्जर इमारत देखकर कोई भी डर जाता है।– दिनेश विश्वकर्मा निर्माण विभाग की ओर से इसे जर्जर घोषित किया लेकिन अब तक कोई अपडेट नहीं है। कंस्ट्रक्शन कंपनी सर्वे कर गई, फिर सब ठप। कार्यदारी संस्था को आगे आकर कार्यवाही करनी चाहिए।– मोहम्मद जफर –– बिल जमा करने आए लोग लौट जाते हैं। पानी लगने के कारण परिसर के अंदर आना मुश्किल होता है। ऐसे में उन्हें लौटना पड़ता है। बारिश के कारण कई बार काम भी प्रभावित होने लगता है।– कमलेश कुमार – वर्षों पुरानी समस्या आज भी बनी है। हर साल यही हाल होता है। कोई एक्शन नहीं लिया गया अब तक। हमेशा डर बना रहता है। भवन को जर्जर घोषित करने के बाद इसे ध्वस्त कर देना चाहिए।–सुमित पांडेय – काम करने के लिए पानी पार करके आना होता है। बारिश के दिनों में पूरा कार्यालय जलमग्न हो जाता है। बारिश में हमेशा डर बना रहता है कि कहीं कोई हादसा न हो जाए। पता नहीं कब मरम्मत होगी। – गगन शर्मा इस भवन को देखने से ही पता चल जाता है कि कितना खस्ताहाल है। यहां पर काम करना किसी चुनौती से कम नहीं है। बारिश में हमेशा डर बना रहता है कि कोई हादसा न हो जाए। अगर कुछ हुआ तो बड़ी अनहोनी होगी।– अरुण कुमार – 11 साल से यहीं कार्यरत हूं, समस्या जस की तस है। न फंड मिला, न मरम्मत हुई। ऐसा नहीं है कि विभाग ने इसे संज्ञान में नहीं लिया। कार्यदायी संस्था ने इसे जर्जर भी बताया लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी।– राकेश दयाल यहां अकाउंटिंग से लेकर बिलिंग तक सभी कार्य होते हैं। उपभोक्ताओं की भीड़ लगी रहती है। बारिश में हालात बेहद खराब हो जाते हैं। इस बारिश का मौसम निकल जाए तो लगेगा कि सब सुरक्षित हैं।– राजेश कुमार

प्रयागराज में गंगा और यमुना ने खतरे के निशान को किया पार, हजारों घर जलमग्न

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर है। नदियों ने शनिवार को सुबह खतरे के निशान को पार कर दिया है। गंगा और यमुना के किनारे के दो दर्जन से अधिक मुहल्लों के हजारों घर पानी में घर गए हैं। घर में पानी भरने से लोग राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरफ की टीमें भी नाव से बचाव कार्य में जुटी हैं।

गंगा और यमुना ने खतरे के निशान पार कर दिया है। जलस्तर खतरे के बिंदु 84.734 मीटर के ऊपर पहुंच गया है। नदियों का उफान अभी जारी है। स्थिति काफी भयावह हो गई है। गंगा और यमुना के किनारों पर स्थित दो दर्जन से अधिक मुहल्लों के हजारों घर जलमग्न हो गए हैं। लोग सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य तेज कर दिया है। बाढ़ राहत शिविरों में प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। दो हजार से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं जो प्रशासन के राहत शिविर में शरण लिए हैं। खतरे का निशान पार करते ही दो दर्जन से अधिक मोहल्लों के सैकड़ों घर बाढ़ में घिर गए हैं। सड़कों और गलियों में भी पानी भर गया है। बड़ी संख्या में लोगों को नावों से बाहर निकालना पड़ा है।

चंबल ने दी राहत तो टोंस ने बढ़ाई चिंता

गंगा के जलस्तर में शनिवार

तक तेज गति से वृद्धि के आसार हैं। कानपुर से 80 हजार क्यूसेक से अधिक पानी लगातार आ रहा है। नरौरा से भी पानी लगातार आ रहा है। ऐसे में गंगा के जलस्तर में तेज वृद्धि जारी है। वहीं चंबल ने कुछ राहत दी है। शुक्रवार सुबह तक केन, बेतवा और चंबल नदी उफान थीं। केन और बेतवा अब भी उफान पर हैं लेकिन चंबल में पानी कम हो गया है। इससे यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी की रफ्तार में कुछ कमी दर्ज की गई लेकिन टोंस ने चिंता बढ़ा दी है। टोंस नदी में तेज गति से पानी आ रहा है। इससे तटीय इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इसके अलावा दबाव बढ़ने के कारण छतनाग से पानी निकलने की रफ्तार पर अंकुश लगने की आशंका बन गई है। इससे कछारी इलाके में गंगा का पानी और फैलने की संभावना है।

भइया, आधी रात तक सब ठीक रहा...सवेरे घर में पानी भर गवा

स्टैनली रोड स्थित मेहबूब अली इंटर कॉलेज में शुक्रवार को कक्षाएं चल रही थीं। इसी दौरान करीब 11 बजे तक बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच गए। दिन में 12 बजे स्कूल बंद होने तक 100 से अधिक बाढ़ पीड़ित यहां पहुंच गए। छुट्टी के बाद प्रशासन की टीम ने इनके रहने की व्यवस्था की।

मेहबूब अली इंटर कॉलेज को बाढ़ राहत शिविर बनाया गया है लेकिन बृहस्पतिवार आधी रात तक बेली कछार और गांव में बाढ़ का पानी काफी दूर था। ऐसे में शुक्रवार को स्कूल खुला रहा और पढ़ाई हुई लेकिन सुबह तक क्षेत्र के सैकड़ों घरों में पानी घुस गया। सड़कें और गलियां बाढ़ की चपेट में आ गईं। ऐसे में मेहबूब अली इंटर कॉलेज में सुबह से बाढ़ पीड़ितों के पहुंचने का क्रम शुरू हो गया।

राहत शिविर में पहुंचे बेली गांव में शिव मंदिर के पास रहने वाले सुनील गौड़, प्रियंका, मोहम्मद यूसुफ का कहना था कि रात में बहुत तेजी से पानी बढ़ा। इसकी उम्मीद नहीं थी। इसलिए वे लोग निश्चिंत थे। सुनील का कहना था कि उनके मकान का भूतल ही बना है और उसमें कमर तक पानी भर गया। छत पर तिरपाल लगाकर सामान रख दिया है। पूरा परिवार शिविर में आ गया है।

इविवि में बीएएलएल, बीएससी, बीसीए में प्रवेश शुरू, कटऑफ अंक सहित मेरिट जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश के लिए शुक्रवार से ऑनलाइन काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई। प्रवेश समिति की ओर से बीएएलएलबी, बीएससी मैथ्स व बीएससी बायो और बीसीए में प्रवेश के लिए कटऑफ अंक सहित मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में सत्र 2025–26 के तहत स्नातक प्रवेश के लिए शुक्रवार से ऑनलाइन काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई। प्रवेश समिति की ओर से बीएएलएलबी, बीएससी मैथ्स व बीएससी बायो और बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) में प्रवेश के लिए कटऑफ अंक सहित मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। बीएएलएलबी प्रवेश की समन्वयक डॉ. सोनल शंकर के अनुसार, अनारक्षित वर्ग का न्यूनतम कटऑफ 555 अंक, ओबीसी का 532, एससी का 495 व एसटी वर्ग का 452 अंक है। वहीं, बीएससी बायो में प्रवेश के लिए अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 519.28 व एसटी वर्ग का 397.54 अंक और बीएससी मैथ्स में प्रवेश के लिए अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 450 व एसटी वर्ग का 207 अंक है।

कटऑफ के तहत बीएससी बायो की मेरिट में शामिल अभ्यर्थियों को दो अगस्त शाम चार बजे से चार अगस्त रात

11रू55 बजे तक और बीएससी मैथ्स की मेरिट में शामिल अभ्यर्थियों को दो अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे से चार अगस्त को शाम चार बजे तक ऑनलाइन फीस जमा करनी है। इसके अलावा आपदा प्रबंधन एवं पर्यावरण अध्ययन के पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रोग्राम में प्रवेश के लिए अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 450, ओबीसी का 346, ईडब्ल्यूएस का 384, एससी का 348 व एसटी का 260 अंक है। अभ्यर्थियों को चार अगस्त शाम चार बजे से आठ अगस्त शाम चार बजे तक ऑनलाइन शुल्क जमा करना है। बीसीए में प्रवेश के लिए अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 455, ईडब्लयूएस का 428, ओबीसी का 419, एससी का 371 व एसटी वर्ग का 320 अंक है।

काउंसलिंग में ही दो मेजर व एक माइनर विषय होंगे आवंटित

इविवि के प्रवेश निदेशक प्रो. जेके पति ने बताया कि विवि में सत्र 2025–26 से नई शिक्षा नीति लागू कर दी गई है। ऐसे में अभ्यर्थियों को अब स्नातक के चार वर्षीय ऑनर्स प्रोग्राम में प्रवेश दिए जाएंगे जिसमें उन्हें शुरुआत में दो मेजर व एक माइनर विषय पढ़ना होगा। काउंसलिंग के दौरान ही अभ्यर्थियों को दो मेजर व एक माइनर विषय आवंटित कर दिए जाएंगे। अभ्यर्थी शुल्क रसीद व आवंटन पत्र लेकर विभाग में जाएंगे, जहां उन्हें संबंधित विषय दे दिए जाएंगे।

सीएमपी ने पीजी प्रवेश के लिए जारी किया पहला कटऑफ

सीएमपी डिग्री कॉलेज ने परास्नातक (पीजी) प्रवेश के लिए शुक्रवार को पहला कटऑफ अंक जारी कर दिया।

हाईकोर्ट ने दुष्कर्म और हत्या मामले में मौत की सजा को उम्रकैद में बदला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग चचेरी बहन के साथ दुष्कर्म व हत्या में मिली मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। कोर्ट ने कहा कि सजा भुगत रहा युवक आपराधिक पृष्ठभूमि का नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग चचेरी बहन के साथ दुष्कर्म व हत्या में मिली मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। कोर्ट ने कहा कि सजा भुगत रहा युवक आपराधिक पृष्ठभूमि का नहीं है। यह नहीं कहा जा सकता है कि वह सुधरने योग्य नहीं है और समाज के लिए खतरा है। उसे सुधरने व पुनर्वास का मौका मिलना चाहिए। इन टिप्पणियों के साथ न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता व न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ ने फिरोजाबाद के युवक की सजा के विरुद्ध अपील को आंशिक रूप से स्वीकार कर ली। फिरोजाबाद के थाना सिरसागंज में युवक पर 17 मार्च 2019 को आठ वर्षीय पीड़िता के साथ दुष्कर्म व हत्या करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि उसने आठ वर्षीय पीड़िता को बहला–फुसला कर ले गया और दुष्कर्म कर हत्या कर दी। पीड़िता का शव गेहूं के खेत में मिला। ट्रायल कोर्ट ने इसे भयावह घटना मानते हुए दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। अपीलकर्ता के वकील ने दलील दी कि डीएनए जांच के लिए शव से लिए गए नमूनों को फोरेंसिक जांच के लिए कभी नहीं भेजा गया। पीड़िता उसकी चचेरी बहन थी, इसलिए उसके खिलाफ इस तरह का नृशंस कृत्य का कोई कारण नहीं था। केवल पीड़ित के साथ आखिरी बार देखे गए सबूत ही हैं, जो किसी आरोपी को दोषी ठहराने के लिए निर्णायक नहीं है। शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि पीड़ित को आखिरी बार आरोपी के साथ देखा गया था। ऐसे में आरोपी साक्ष्य अधिनियम के तहत यह बताने के लिए बाध्य है कि उसके बाद पीड़ित के साथ क्या हुआ। वह ऐसा करने में विफल रहा। न्यायालय ने कहा कि अंतिम बार देखे जाने का तथ्य साबित हो जाने के बाद आरोपी पर यह समझाने का भार था कि उसने पीड़िता का कहां और कब छोड़ा लेकिन वह बताने में विफल रहा।

धूमधाम से मनाया गया पूर्व विधायक अशोक कंसल का जन्मदिन

मुजफ्फरनगर। नगर के अत्यंत लोकप्रिय एवं अपनी अलग छवि रखने वाले उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (रजि) के वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री अशोक कंसल का जन्मदिन जानसठ रोड के आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल पर धूमधाम के साथ मनाया गया। व्यापार, उद्योग जगत, अधिवक्ता, चिकित्सक, जनप्रतिनिधि से लेकर समाज के हर वर्ग के लोग विधायक जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने पहुंचे। कई समर्थकों ने माला

से तो कई ने केक काटकर व गले मिलकर अशोक कंसल जी को जन्मदिन की बधाई दी। श्री कंसल ने कहा कि समाजिक जीवन से लेकर जनप्रतिनिधि के रूप में मुजफ्फरनगर में असंख्य लोगों का साथ, स्नेह और प्यार लगातार मिलता आया है। उन्होंने कहा कि सभी के स्नेह से नगर विधानसभा में पूर्ण मनोयोग सेवा के रूप में समर्पित होकर कार्य करने के लिये ऊर्जा मिलती है। केक काटकर व लड्डू बांटते हुए सभी ने खुशी का इजहार किया। इस मौके पर अशोक कंसल जी ने कहा कि आज मैं जिस भी मुकाम पर हूं जनता की बदौलत हूं ᐣ नगर के साथ–साथ आसपास के कई कसबो से दिनभर जन्मदिन की शुभकामनाएं मिलती रही एवं समर्थकों ने केक काटकर एवं मिष्ठान का वितरण करते हुए अशोक कंसल जी के दीर्घायु होने एवं प्रभु से उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। अंत में श्री अशोक कंसल ने जन्मदिन के अवसर पर स्नेह पूर्ण शुभकामनाएं देने के लिए सभी लोगों का दिल की गहराइयों से धन्यवाद व्यक्त किया।

वरिष्ठ रचनाकार मंजूश्री की पुस्तक 'जज्बातों का संग्रह' का हुआ विमोचन

प्रयागराज। राजर्षि टंडन सेवा केंद्र में आज लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित सुश्री मंजूश्री की पुस्तक ᐤ जज्बातों का संग्रहᐤ का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार श्रीमती विजय लक्ष्मी विभा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय रहे। प्रख्यात साहित्यकार और पर्यावरणविद

डॉ प्रदीप चित्रांशी एवं मोतीलाल नेहरू प्रौद्योगिकी के राजभाषा अधिकारी श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी ने विशिष्ट अतिथि की भूमिका निभाई। डॉ अरुणा पाठक ने मंच संचालन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रख्यात गायक राम अजोर रमन जी की सरस्वती वंदना से हुआ। दूरदर्शन के गायक प्रियांशु श्रीवास्तव जी ने कुमार विश्वास जी की रचना सुनाकर माहौल में जोश भर दिया। लोकरंजन प्रकाशन के डॉ आदित्य नारायण सिंह और रंजन पाण्डेय ने पुस्तक की सफलता की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।दिलीप तिवारी ने मंजूश्री की कविताओं को भावप्रधान बताया। डॉ प्रदीप चित्रांशी ने जज्बातों का संग्रह पुस्तक को मन की भावनाओं से जोड़ा। श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी ने पुस्तक को मानवीय संवेदनाओं से जोड़ा। मुख्य अतिथि ने पुस्तक की रचनाओं को ब्रह्म से जोड़ा। श्रीमती विजय लक्ष्मी विभा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मंजुश्री के जज्बातों की चर्चा की। उन्होंने उनकी कविताओं के आध्यात्मिक पक्ष के बारे में विस्तार से वर्णन किया। अंत मे श्री अनुपम मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन अर्पित किया। इस अवसर पर पी सी पाण्डेय, डॉ राम लखन चौरसिया,दिलीप तिवारी,अनुपम,पारुल आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक राकेश बालियान को बनाया ब्लॉक अध्यक्ष

भोपा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ मुज़फ्फरनगर संबद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा राकेश कुमार शिक्षक उच्च प्राथमिक विद्यालय भोकरहेडी को मोरना ब्लॉक् अध्यक्ष व कंपॉजिट विद्यालय भुवापुर के शिक्षक सुन्दरलाल को सर्वसम्मती से मन्त्री मनोनीत किया गया। कार्यक्रम मे बड़ी संख्या मे शिक्षकों ने भाग लेकर एक जुटता का आह्वान किया।

भोपा स्थित खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर मे आयोजित कार्यक्रम मे संगठन के जिलाध्यक्ष राकेश राठी ने

कहा की संगठन शिक्षकों के हितो के लिये आगे आकर कार्य करेगा। किसी भी शिक्षक के शोषण को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा आज सरकारी विद्यालयों को बंद किया जा रहा है। उन डिग्रीधारियों का भविष्य क्या होगा जिन्होने शिक्षक बनने के लिए बड़ी महनत की।राकेश बालियान ने कहा की संगठन का विस्तार किया जायेगा एकजुटता के साथ शिक्षकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी जायेगी।

वहीं हरबीर सिंह, ऋषिराज सिंह,आलोक शर्मा, मुनेश कुमार ने अपने सम्बोधन मे आपसी एकजुटता पर बल दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से शिवकुमार, बालेन्द्र कुमार, अख़लाक़ अहमद, नाथीराम, विनोद कुमार स्नेही, मनोचा खंडेलवाल, रियाजुल हसन, अनुज पंवार, अनिल कुमार, मंजू पंवार, निशा, सपना, रवि कुमार, अतुल कुमार, अमित कुमार, सुरेश कुमार,अक्षय कुमार,राजीव कुमार,रवि कुमार, कुलदीप कुमार,अजय कुमार, राजन वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण को तन्मयता से ग्रहण कर बच्चों तक पहुंचाना असली उद्देश्यः वरुण मिश्रा

उरुवा में पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण के दूसरे बैच का हुआ शुभारंभ

प्रयागराज। बीआरसी उरुवा के सभागार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मजबूत करने के लिए एफएलएन तथा एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित भाषा एवं गणित विषय का पांच दिवसीय 'फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी' प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे बैच का शुभारंभ शनिवार 2 अगस्त को हुआ। जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से,शिक्षकों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्रशिक्षण के द्वितीय चरण का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा वरुण मिश्रा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बीईओ उरुवा वरुण मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रम का लक्ष्य बच्चों में मजबूत शैक्षिक नीवं रखना है। ताकि 'बुनियाद शक्तिशाली तो शिक्षा सार्थक' का संदेश साकार हो सके और देश के भविष्य को गढ़ने में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। वहीं पूर्व सीनियर एआरपी एवं प्रशिक्षण सन्दर्भदाता राजेश मिश्रा ने कहा कि शिक्षक इस प्रशिक्षण का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। यह प्रशिक्षण शिक्षकों को बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने में मदद करेंगा और यह प्रशिक्षण एनसीआरटी की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित है। इसका

उद्देश्य शिक्षकों को खेल–खेल में पढ़ने के तरीके से अवगत कराना है। एआरपी अजीत मिश्रा ने समस्त शिक्षकों को पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर उसे बच्चों तक पहुंचाने की अपील की। एआरपी रामानन्द शुक्ला ने कहा कि प्रशिक्षण में बुनियादी शिक्षा की महत्ता पर विशेष ध्यानाकर्षित किया जा रहा है। कक्षा तीन में एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों के लागू होने के बाद ब्लॉक के बच्चों में भाषाई प्रवीणता, गणितीय दक्षता एवं अंग्रेजी भाषा में निपुणता प्राप्त करने में सहजता होगी। विशेषतः कक्षा 3 में किताबों में बदलाव,बच्चों के बदलते परिदृश्य के साथ–साथ सजक एवं प्रतियोगिता से जुड़ाव का महती उपयोग है। दूसरे बैच का प्रशिक्षण 2 अगस्त से 7 अगस्त तक सुबह 9.30 से सायं 5 बजे तक चलेंगा। उक्त प्रशिक्षण में उरुवा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालयों के 452 शिक्षक व शिक्षामित्रों का 5 बैचों में प्रशिक्षण सम्पन्न होगा। प्रत्येक बैच में 100 शिक्षक होंगे और 50–50 शिक्षकों का दो कक्षों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिक्षकों को प्रशिक्षण संदर्भदता के रूप में पूर्व सीनियर एआरपी उरुवा राजेश मिश्रा, प्रीतम दास, वर्तमान एआरपी उरुवा अजीत मिश्रा, रामानंद शुक्ला तथा पुष्पेंद्र शुक्ला के द्वारा पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम बीआरसी उरुवा के लेखाकार कृष्ण कुमार शुक्ला की देख–रेख में चल रहा है। उक्त प्रशिक्षण में बृजचंद द्विवेदी, राजेश शुक्ला, रूबी त्रिपाठी, संजय शुक्ला, रिचा यादव, शिप्रा, सोनी प्रजापति, अर्चना त्रिपाठी, नाजमा खातून, ममता द्विवेदी, राजीव लोचन शुक्ला, ज्योति मिश्रा, निशा सोनी, चेतना तिवारी, इंदू सिंह, सुमन लता, अर्चना गुप्ता, विकास तिवारी, अजीत सिंह, शिप्रा श्रीवास्तव, कृष्ण प्रकाश सिंह, शुभम तिवारी, रीता देवी, ममता द्विवेदी, वीरेंद्र कुमार सिंह व संतोष कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहें।

एस डी कॉलेज ऑफ कॉमर्स के बीकॉम अन्तिम वर्ष की परीक्षा में सभी छात्र रहे सफल

मुजफ्फरनगर। माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर द्वारा बी0 कॉम० अन्तिम वर्ष का परीक्षाफल घोषित किया गया, जिसमें एस० डी० कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुजफ्फरनगर के बी०कॉम० अन्तिम वर्ष का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। विद्यार्थीयों के इस प्रदर्शन पर महाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थीयों को प्राचार्य डा० सचिन गोयल एवं समस्त शिक्षको द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थीयों ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय अपने माता–पिता व महाविद्यालय के समस्त अध्यापकों को दिया ।

बी0कॉम बी0 कॉम० अन्तिम वर्ष की परीक्षा में माही जैन 84 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान, आफिया ने 77 प्रतिशत अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान तथा भव्या ने 76 प्रतिशत अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया ।

प्राचार्य डा0 सचिन गोयल ने इस अवसर पर कहा कि महाविद्यालय में सभी विद्यार्थीयों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ–साथ उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सभी प्रकार की तकनीकी, सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का वातावरण भी उपलब्ध कराया जाता है जिससे की विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित कर सके ।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा० रवि अग्रवाल व सभी शिक्षकों ने विद्यार्थीयों को शुभकामनाएं दी और उनको भविष्य में भी इसी प्रकार उन्नति करने हेतु प्रेरित किया और कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनके जीवन का एक लक्ष्य होता है व अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए सच्चा दृढ़ संकल्प लेते हैं तथा इसके लिए वे लगातार प्रयास करते रहते हैं।

इस अवसर पर वाणिज्य संकाय से डा० माधुरी अरोरा, डा० रिंकु एस० गोयल, डा0 जगमोहन सिंह जादोन, प्रशान्त, डा० सुरेश चन्द शुक्ला, डा० मानसी अरोरा, डा० अजय महेश्वरी, अमन वर्मा, रोहित पाल, प्राची चौधरी आदि मौजूद रहे।

पं० राम लखन शुक्ल, पं० दयाशंकर पाण्डेय एवं श्रीराम मिश्र तलब जौनपुरी को साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा मिला 'साहित्य रत्न सम्मान'

साहित्यकार सत्कार आपके द्वार योजना के अन्तर्गत अल्लापुर में किया गया तीन वरिष्ठ साहित्यकारों का सारस्वत सम्मान

प्रयागराज। उत्कृष्ट साहित्यिक पुस्तकों के प्रकाशक साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा विगत वर्ष से चलाई जा रही 'साहित्यकार सत्कारः आपके द्वार' सम्मान योजना के अन्तर्गत नगर के तीन वरिष्ठतम ख्यातिप्राप्त साहित्यकार पं० राम लखन शुक्ल, पं० दयाशंकर पाण्डेय और श्रीराम मिश्र तलब जौनपुरी को अल्लापुर में 'साहित्य रत्न सम्मान' प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह की अध्यक्षता डा० बालकृष्ण पाण्डेय ने की और मुख्य अतिथि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं० मुनेश्वर मिश्र रहे द्य राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन जी की जयंती के अवसर पर एक अगस्त को कवि तलब जौनपुरी के आवास पर उपरोक्त तीनों साहित्यकारों को उनके विशिष्ट साहित्यिक अवदान के लिए साहित्य–रत्न सम्मान में अंगवस्त्र, सम्मान पत्र, प्रतीक चिह्न व साहित्य के साथ अभिनंदित किया गया द्य सम्मान समारोह का संचालन साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के व्यवस्थापक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने किया द्य माँ सरस्वती वंदना पं० राम लखन शुक्ल और शम्भू नाथ श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत की गई द्य डॉ० योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु ने सभी अभ्यागतों का स्वागत किया और रंजन पाण्डेय ने योजना के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला द्य विख्यात कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, केशव प्रकाश सक्सेना, शिव प्रताप श्रीवास्तव, प्रदीप सिंह, हरीश वर्मा, राजेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य शुभ चिंतकों ने अपने विचार रखकर सम्मानित होने वाले साहित्यकारों को बधाई दी द्य डॉ राम लखन चौरसिया वागीश ने आभार व्यक्त किया और अंत में सुप्रसिद्ध कवि शायर प्रेम कुमार सागर होशियारपुरी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया द्य समारोह को गरिमामय बनाने के लिए कई साहित्यकार उपस्थित रहे द्य साहित्यांजलि प्रकाशन के व्यवस्थापक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय तथा साहित्यांजलि प्रभा साहित्यिक मासिक पत्रिका के सह संपादक व मीडिया प्रभारी रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि शीघ्र ही इस योजना का विस्तार आंचलिक क्षेत्र में भी किया जाएगा।

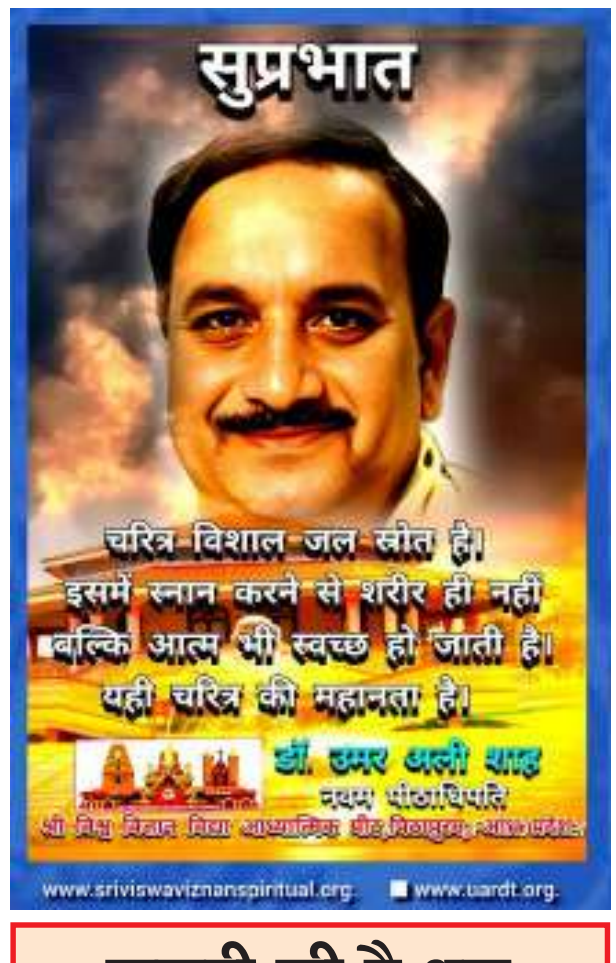

कजरी की है धूम

(कुण्डलिया)

बारिश के ही साथ में, त्योहारों का पुंज।
सावन लेकर आ गया, हर्षित हुए निकुंज।
हर्षित हुए निकुंज,कुंज में भी हरियाली।
कजरी की है धूम, गगन से बरसे पानी।
होकर मगन प्रदीप, सभी से करें गुज़ारिश।
नहीं उजाड़ो बाग, यही लाते हैं बारिश।।

बारिश की जल–बूँद से, होकर हिना जवान।
लिखे हथेली पर नया, प्रिय का प्रिय उनवान।
प्रिय का प्रिय उनवान,नयन की भाषा समझे।
सावन के त्योहार,सजन पा गोरी चहके।
सुन लो कहें प्रदीप,प्रीति की मधुर गुज़ारिश।
साजन का हो साथ, और सावन की बारिश।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

नवगीतकार अवध बिहारी श्रीवास्तव का जन्म दिन की वर्षगांठ पर हुआ सम्मान

कानपुर। साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था मानसरोवर के तत्वावधान में आज दिनांक 1 अगस्त 2025 को नवगीतकार अवध बिहारी श्रीवास्तव के 91 वें जन्म दिन का आयोजन किया गया। उपस्थित विद्वानों ने कहा श्रीवास्तव जी के साहित्य में हिन्दी गीत के योगदान क़ो भुलाया नहीं जा सकता स आप देश के लोकप्रिय नवगीतकार हैं ।आप गीत रचनाओं के माध्यम से अमिट छाप छोड़ने में सिद्धहस्त हैं स हल्दी के

छापे,मण्डी चले कबीर,एवं शबस्ती के भीतरश गीति काव्य कृतियों के रचनाकार श्रीवास्तव जी स्थानीय हैण्डलूम विभाग से अवकाश प्राप्त अधिकारी हैं। उनके कृष्णापुरम आवास पर नगर की साहित्यिक संस्था ᐤमानसरोवरᐤ द्वारा उनके साहित्यिक अवदान के लिए उनका सारस्वत सम्मान किया गया। अपने सम्मान से अविभूत अवध बिहारी जी ने कहा कि संस्था ने सम्मान देकर मुझ पर बोझ डाल दिया है स उन्होंने हिन्दी गीत क़ो लेकर कहा कि गीत को जीकर लिखना चाहिए वही गीत श्रोताओं व पाठकों के हृदय में स्थान बना पाता है।

मान सरोवर के शैलेन्द्र शर्मा द्वारा संयोजित भव्य सम्मान समारोह तथा काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार शिवकुमार कुंवर ने तथा संचालन नवगीतकार जयराम जय ने किया। इस अवसर पर बृजनाथ श्रीवास्तव, सतीश गुप्ता,हरीलाल मिलन, जयराम सिंह गौर यज्ञदत्त प्रशांत, वाई के सिंह,डॉ मंजू श्रीवास्तव,डॉ अंजनी सरीन, डॉ अरुण तिवारी गोपाल, अल्का मिश्रा,अक्षत व्योम,दीपक श्रीवास्तव,रंजना श्रीवास्तव,पंकज श्रीवास्तव आदि ने श्रीवास्तव जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में अवध बिहारी श्रीवास्तव ने अपने कई प्रसिद्ध नवगीत सुनाए तथा उपस्थित कवियों ने भी अपनी एक–एक प्रतिनिधि कविताओं का पाठ कर वातावरण को सरस बना दिया ।अपने सम्मान से अभिभूत अवध बिहारी जी ने कहा कि आप सबने घर आकर यह सम्मान देकर अकिंचन का मान बढ़ाया है जो अविस्मरणीय है।

इस अवसर पर अवध बिहारी जी ने अपने दरवाजे के बाहर आम का पौधारोपण किया तथा आगतों क़ो आशीर्वाद प्रदान कर आभार जताया।

यूपी में 9वीं से 12वीं तक के छात्रों को मिलेगी व्यावसायिक शिक्षा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा माध्यमिक स्तर पर छात्रों के लिए व्यावसायिक शिक्षा को अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया हैं। कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को अब 23 व्यावसायिक क्षेत्रों में से किसी एक क्षेत्र से जुड़ा कोई एक जॉब रोल सीखना अनिवार्य होगा। सरकार ने इन ट्रेड्स के अंतर्गत करीब 76 तरह के जॉब रोल निर्धारित किए हैं, जो निश्चित रूप से छात्रों के व्यावहारिक कौशल, भविष्य की रोजगार संभावनाओं को मजबूत करने की दिशा में सकारात्मक कदम है। योजना छात्रों को पारंपरिक शिक्षा के साथ व्यावसायिक दक्षता प्रदान करने का अवसर देती है। इससे छात्रों को अपने रुचि के क्षेत्रों में प्रारंभिक प्रशिक्षण मिलेगा बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में युवा आत्मनिर्भर बन सकेंगे, उन छात्रों के लिए जो आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा नहीं ले पाते।

सम्पादकीय.....

भारत विरोधी सनक

अब तो साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मेधा व भारत की तरक्की को अपने लिये खतरे के रूप में देख रहे हैं। दूसरे कार्यकाल में आये दिन भारत के खिलाफ उनके बयान दरअसल अमेरिका के असुरक्षाबोध को ही दर्शाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत–पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दर्शाते हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है। वे लगातार कहते रहे हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। यह भी कहते रहे हैं कि अमेरिकी टेक कंपनियों ने अपने फायदे के लिये चीन में फैक्ट्रियां लगाकर उसे समृद्ध किया। इन कंपनियों द्वारा भारतीयों को अवसर देना उन्हें रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों उन्होंने एप्पल को चेतावनी दी थी कि यदि उसने भारत में आईफोन का उत्पादन किया तो सजा के तौर पर उस पर पच्चीस फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। यह विडंबना ही है कि जिस वैश्वीकरण व उदारीकरण के नाम पर अमेरिका ने अपार संपदा जुटाई, उससे दूसरे देशों को फायदा पहुंचना उसे नागवार गुजर रहा है। यह कैसे संभव है कि हर सामान का उत्पादन अमेरिका में ही हो, और उस कंपनी में सिर्फ अमेरिकी ही कर्मचारी हों। निस्संदेह, प्रतिभा और कार्यकुशलता किसी एक देश का कॉपी राइट नहीं हो सकता। मौजूदा दौर की वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुक्त व्यापार के दौर में कोई देश अपनी अर्थव्यवस्था के दरवाजे दूसरों के लिये बंद करके समृद्ध नहीं हो सकता है। दरअसल, आज खुली अर्थव्यवस्था में मल्टीनेशनल कंपनियां अपना मुनाफा देखती हैं। उन्हें जहां सस्ता श्रम व प्राकृतिक संसाधन सुलभ होते हैं, वहीं उत्पादन इकाई लगाती हैं। ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि आईटी के क्षेत्र व सिलिकॉन वैली में यदि समृद्धि की बयार बह रही है, उसमें भारतीयों का बड़ा योगदान है। आज यदि अमेरिका की बड़ी आईटी कंपनियों में भारतीय शीर्ष पदों पर हैं तो अपनी प्रतिभा के बूते ही हैं। एक शोध में खुलासा हुआ है कि सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक कर्मी भारतीय मूल के हैं। अपनी योग्यता के बूते दर्जनों टेक कंपनियों में भारतीय आईटी विशेषज्ञ ऊंचे ओहदों पर विराजमान हैं। निश्चित रूप से भारतीय टेक विशेषज्ञ अमेरिका आर्थिकी को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की यह चेतावनी कि महत्वपूर्ण आईटी कंपनियां व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीयों को महत्व न दें, उनकी संकुचित व प्रतिगामी सोच का ही पर्याय है। अब यदि कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बूते भारतीय अमेरिका में दूसरे नंबर के समृद्ध प्रवासी हैं, तो उसके मूल में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा है। जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। यह रोचक तथ्य है कि अमेरिकी आबादी का डेढ़ प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय प्रवासी छह फीसदी आयकर देते हैं। जो उनके अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान को ही दर्शाता है। ट्रंप को आत्म–मंथन करना चाहिए कि यदि सिलिकॉन वैली व टेक उद्योग दुनिया में वर्चस्व बनाये हुए हैं तो उसके मूल में भारतीय मेधा की तपस्या व त्याग निहित है। अमेरिका का खजाना भर रहे कई सॉफ्टवेयर तैयार करने में तमाम भारतीय इंजीनियरों का योगदान रहा है। ट्रंप को समय रहते समझ लेना चाहिए कि कथित रूप से अमेरिका को फिर से महान बनाने का नारा भारतीय प्रतिभाओं के योगदान के बिना सिर्फ जुमला बनकर रह जाएगा। अमेरिका के पास गोरे लोगों की वह श्रम शक्ति नहीं है जो उसे दुनिया पर राज करने का मौका दिला सके। इस बात को ट्रंप जितनी जल्दी समझ जाएं, वो अमेरिका के हित में ही होगा।

अबकी बार ट्रंप का वार

डॉ. दीपक पाचपोर

हाउडी मोदी, नमस्ते ट्रंप, अबकी बार ट्रंप सरकार, माई डियर फ्रेंड इन सबको धता बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश के हितों का हवाला देते हुए भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान कर दिया है। 1 अगस्त की समय सीमा पहले ही तय कर दी गई थी, जिस पर ट्रंप सरकार ने अमल कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने दूसरी बार शपथ लेने के साथ ही कुछ बड़े फैसले लिए थे, जिनमें सर्वाधिक चर्चा शुल्क नीति की रही। दुनिया भर के देश अमेरिका पर ज्यादा शुल्क थोपते हैं, जिससे देश को घाटा होता है, लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा, कुछ इस अंदाज में ट्रंप ने अपनी शुल्क नीति का ऐलान किया था। इस बारे में प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भी उन्होंने बयान दिया था, भारत का नाम लेकर कहा था कि तुम जितना शुल्क हम पर लगाओगे, हम भी उतना ही लगाएंगे। श्री मोदी अपने देश पर हो रहे इस शाब्दिक हमले को चुपचाप सुनते रहे, यह सबने देखा। रूस, चीन, जापान, फ्रांस ऐसे कई देशों ने ट्रंप की नीति की आलोचना की थी। लेकिन भारत में मोदी सरकार की तरफ से इस बारे में खुलकर कभी कुछ नहीं कहा गया। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इस बीच अमेरिका दौरा कर चुके हैं, लेकिन इससे भी भारत अपने पक्ष में सौदा नहीं करवा सका। ट्रंप ने न केवल शुल्क बढ़ाया है, बल्कि रूस से तेल और रक्षा सौदे करने पर भारत पर जुर्माना भी थोपा है। संदेश साफ है कि ट्रंप केवल अपने देश में ही नहीं, पूरी दुनिया में अपने मनमाफिक व्यापार नियम बनवाना चाहते हैं। अमेरिका को दुनिया का चौधरी क्यों कहा जाता है, ट्रंप उसकी जीती–जागती मिसाल दिखा रहे हैं। ट्रंप से पहले भी अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों का रवैया ऐसा ही था, लेकिन कम से कम उनमें कूटनीतिक सज्जनता, शिष्टता दिखाने का लिहाज था। ट्रंप ने तो सारे आवरण उठा फेंके हैं। भारत पर जुर्माना लगाने जैसा अपमान ही काफी नहीं है, जो अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ हुए समझौते का ऐलान करते हुए लिखा कि हमने पाकिस्तान के साथ एक नया समझौता किया है। इसके तहत अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर वहां के विशाल तेल भंडार का विकास करेंगे। हम उस तेल कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं जो इस पार्टनरशिप का नेतृत्व करेगी। कौन जानता है, शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे। इस पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी ट्रंप को धन्यवाद देते हुए लिखा है कि यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को और मजबूती देगा, ताकि आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी के दायरे को और विस्तार दिया जा सके। अमेरिका और पाकिस्तान की यह नजदीकी पहलगाम हमले के बाद और ज्यादा देखने मिल रही है, क्या मोदी सरकार को यह भी नजर नहीं आ रहा है। पाकिस्तान ने ट्रंप का आभार मानने की ऐसी ही तत्परता तब भी दिखाई थी जब ट्रंप की तरफ से युद्धविराम का ऐलान हुआ था। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तब भी चुप थे और अब भी वे चुप हैं। कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक तो नरेन्द्र मोदी की तरफ से ऐसा कोई वक्तव्य नहीं आया है, जिसमें उन्होंने शुल्क थोपे जाने या पाकिस्तान के साथ हुए समझौते को लेकर कुछ कहा हो। श्री मोदी की चुप्पी के पीछे दो ही कारण हो सकते हैं, या तो उन्हें विदेश नीति, अर्थनीति और कूटनीति की अपनी कोई समझ ही नहीं है, अथवा श्री मोदी के लिए ट्रंप से निज संबंध देशहित से ऊपर हैं, इसलिए देश का अपमान और घाटा होने के बावजूद वो कुछ बोल नहीं रहे हैं। इन दो के अलावा एक कारण यह भी हो सकता है कि सब जानने–समझने के बावजूद नरेन्द्र मोदी देश के चुनिंदा उद्योगपतियों के फायदे को देखते हुए चुप हैं। अमेरिका की अदालत में गौतम अडानी समेत उनके समूह के कुछ लोगों पर धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोप में मामला दर्ज है। अडानी समूह इन आरोपों से इंकार करता रहा है। ऐसे में सवाल उठने लाजिमी हैं कि देश नहीं झुकने दूंगा, देश नहीं बिकने दूंगा जैसे नारे लगाते–लगाते नरेन्द्र मोदी ने क्या देश के साथ कोई बड़ा खिलवाड़ कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल मीडिया पर भारत और रूस की अर्थव्यवस्था को मृत बताते हुए यह भी कहा है कि उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है कि रूस के साथ भारत क्या करता है। ट्रंप के इस बयान से अब मोदी के लिए धर्मसंकट और बढ़ गया है। अगर नरेन्द्र मोदी भारत की अर्थव्यवस्था पर ऐसी टिप्पणी के बावजूद ट्रंप के खिलाफ कोई बयान नहीं देते हैं तो इसका मतलब यही है कि वे भी ट्रंप की बातों से सहमत हैं। और अगर वे ट्रंप को कोई जवाब देते हैं, तब उनकी मित्रता निभाने पर संकट आ सकता है। दोनों ही सूरतों में ट्रंप ने नरेन्द्र मोदी को फंसा दिया है। यह बात इतनी बढ़ती ही नहीं अगर नरेन्द्र मोदी शुरु से उसी विदेश नीति का पालन करते, जो नेहरूकाल में बनी है और जिसकी वजह से विकासशील होने के बावजूद वैश्विक शक्तियों के बीच भारत की अपनी साख बनी रही। भारत कई क्षेत्रों में अमेरिका, रूस, जापान, चीन आदि से पिछड़ा रहा है, लेकिन बावजूद इसके कभी किसी देश ने इस तरह भारत का अपमान करने की कोशिश नहीं की, जैसी अभी हो रही है।

खत्म हो चुकी नदी को गांव के लोगों ने किया मिलकर जीवित ...और जीवित हो उठी बकुलाही

प्रणय विक्रम सिंह

बकुलाही नदी को जनपद के लोग अपनी खुद की नदी कहते हैं। खुद की नदी? क्या नदी भी कहीं खुद की हो सकती है। यह तो प्राकृतिक सम्पदा है, जिस पर सबका हक है। लेकिन प्रतापगढ़ में प्रवाहित होने वाली बकुलाही नदी यहां के लोगों की अपनी नदी है। बकुलाही नदी। फोटो साभाररू चंदपचवेज.पद तीन दशकों से सूखी पड़ी नदी एक बार पुनरू जीवित हो उठी है। इसके पीछे लोक का संघर्ष है, तप है और त्याग भी। संघर्ष, तप और त्याग का फल गुणनफल देश–दुनिया के लिए एक नायाब उदाहरण बन चुका है। बकुलाही नदी भारत की वेद वर्णित प्राचीन नदियों में से एक है। हिन्दुओं के प्रसिद्ध धार्मिक ग्रन्थ श्वाल्मीकि रामायणश में भी इस नदी का उल्लेख हुआ है। बकुलाही नदी का प्राचीन नाम श्बालकुनीश था, किन्तु बाद में परिवर्तित होकर श्बकुलाहीश हो गया। बकुलाही शब्द लोक भाषा अवधी से उद्धृत है। जनश्रुति के अनुसार बगुले की तरह टेढ़ी–मेढ़ी होने के कारण भी इसे बकुलाही कहा जाता है। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद की बकुलाही नदी की 18 किलो मीटर लम्बी लुप्तप्राय हो चुकी प्राचीन धारा आज कल–कल करती अविरल प्रवाहित हो रही है। करीब दो दर्जन से अधिक गांवों के लाखों लोगों की वर्षों की अतृप्त प्यास बुझा रही है। आस–पास के गांवों के भूगर्भ जलस्तर में भी सुधार हुआ है। बकुलाही नदी को जनपद के लोग अपनी खुद की नदी कहते हैं। खुद की नदी? क्या नदी भी कहीं खुद की हो सकती है। यह तो प्राकृतिक सम्पदा है, जिस पर सबका हक है। लेकिन प्रतापगढ़ में प्रवाहित होने वाली बकुलाही नदी यहां के लोगों की अपनी नदी है। गौरतलब है, कि तीन दशक पूर्व बकुलाही नदी की प्राकृतिक धारा से छेड़छाड़ की गई थी। यह छेड़छाड़ नैसर्गिक कम राजनीतिक अधिक थी। 18 किलो मीटर लम्बी बकुलाही नदी की मूलधारा का अपहरण कर लिया गया था। 18 किलो मीटर की जलधारा के तट पर बसे 25 गांवों से उनकी नदी जो उनके जीने का आसरा थी, छीन ली गई थी। तभी से लगातार पूरे तोरई, पूरे वैष्णव, जदवापुर, सरायदेवराय डीहकटरा, छतौना, मनेहू, हिन्दूपुर, बाबूपुर, सरायमेदीराय, बरईपुर, मिसिरपुर, सिउरा, हैसी, बुकनापुर, पनई का पूरा, शोभीपुर, जमुआ, वैरीसाल का पुरवा, रामनगर, भटपुरवा, ढेमा और गौरा आदि तकरीबन दो दर्जन गांवों की खुशियां भी विलुप्त हो गई। गांवों की हरियाली और खुशहाली भी रूठ गई। जल स्तर धीरे–धीरे पातालमुखी हो गया। खेत–बाड़ी भी प्रभावित हुई। वन क्षेत्र उजाड़ होने लगे। प्रवासी पक्षियों ने भी पलट कर देखना बन्द कर दिया। इसी के साथ 25 गांवों की लगभग एक लाख आबादी के बीच अपनी नदी बकुलाही को पुनरू पाने की बेचैनी भी बढ़ती गई। ये भी पढ़ें, दम तोड़ते तालाबों की चीख कौन सुनेगा? वर्ष 2003 में जलपुरुष राजेन्द्र सिंह ने इन गांवों का दौरा किया और कहा कि बकुलाही की पुरानी धारा को वापस लाये बिना इस जल संकट से छुटकारा नहीं मिल सकता। यह बात उस समय अनेक समाज सेवियों ने सुनी, परन्तु एक युवा के मन पर इसका सर्वाधिक असर हुआ। उसने संकल्प लिया कि 25 गांवों के प्यासे लोगों को उनकी नदी लौटाने का। वह युवा था समाज शेखर, जो आज बकुलाही समाज का नेतृत्व कर रहा है। समाज शेखर ने समाज के समक्ष बकुलाही का मुद्दा उठाया और वर्ष 2011 में भयहरण धाम पर बकुलाही पंचायत का आयोजन किया। पंचायत में हजार से अधिक लोग शामिल हुए। बकुलाही नदी के उद्धार को लेकर गम्भीर विमर्श हुआ। तय किया गया कि किसी भी सूरत में अपनी नदी को जीवनदान देंगे। समाज शेखर के साथ पंचायत में आये सभी गांववासियों ने बकुलाही के लिए भगीरथ संकल्प लिया और अगले ही दिन से साधना प्रारम्भ हो गई, जो शीघ्र ही लोक–साधना में तब्दील हो गई। कदम से कदम जुड़ते गए। बाहों से बाहें मिलीं। जनसैलाब उमड़ पड़ा। समाज शेखर, फोटो साभार चंदपचवेज.पद इसी बीच प्रतापगढ़ के तत्कालीन जिलाधिकारी हृदेश कुमार बकुलाही समाज से रू–ब–रू हुए। बकुलाही नदी का भ्रमण किया और बकुलाही समाज के मंच पर आकर उन्होंने प्यासे समाज को उनका पानी और उनकी नदी लौटने की प्रतिज्ञा ली। बकुलाही की नाप–जोख हुई। ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में एक बड़ा श्दोमुहांश डैम बनाने की बात चली। परन्तु इंजीनियरों के समक्ष 25 वर्षों के अतिक्रमण से बकुलाही नदी की कम हुई गहराई एवं उसकी चौड़ाई बाधा के रूप में खड़ी थी। इसी समय जिलाधिकारी का स्थानान्तरण हो गया और नये जिलाधिकारी विद्याभूषण ने कार्यभार संभाला। विद्याभूषण ने जल सत्याग्रह समाज यात्रा की अगुवाई कर रहे समाज शेखर को वार्ता हेतु आमंत्रित किया तथा बकुलाही का क्षेत्र भ्रमण की इच्छा जताई। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी सरकारी अमलों को बुला कर नदी खुदाई करने का काम शुरू कराया। इस कार्य के लिए उन्होंने मनरेगा मजदूरों को लगाया। समाज के सामूहिक प्रयास से श्रमदान एवं जेसीबी मशीनें लगा दी गईं। ये भी पढ़ें, केसर की क्यारियों में स्टार्टअप का बीज बोती तबिश हबीब इस तरह प्रशासन का सहयोग मिलने से बकुलाही समाज का उत्साह दोगुना हो गया। साधना जारी रही। नदी पर कच्चा बांध बनाया गया और नदी की धारा को उसके प्राकृतिक मार्ग पर ले जाने के लिए घुमाया गया। 18 किलोमीटर लम्बा मार्ग 18 किलो मीटर लम्बे नदी के पुराने मार्ग में हुए अवरोधों को हटाते चले गए और 25 वर्षों बाद अपने पुत्रों पर अपनी ममता लुटाने बकुलाही मैया उनके पीछे–पीछे चल पड़ीं। 18 किलो मीटर बकुलाही में हुआ जल संचरण देश का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण बन गया। बकुलाही समाज की अनवरत साधना का सुखद परिणाम भी अब दिखने लगा है। नदी की प्राचीन धारा सजल होकर वेग के साथ प्रवाहित हो रही है। पूरे नदी क्षेत्र में उत्सव–सा माहौल है। खेतों में हरियाली नजर आने लगी है। पिछले दो साल से प्रवासी पक्षी फिर से मेहमान बन कर आने लगे। आसपास के गांवों के जलस्तर में भी सुधार हो रहा है। समाज शेखर बकुलाही के पुनरुद्धार का श्रेय बकुलाही समाज को देते हैं। बतौर, समाज शेखर श्प्रकृति के समस्त अवयव नदी, पहाड़, वन आदि अपने होते हैं। इनकी रक्षा और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अपनी ही होती है। बकुलाही हम सबकी अपनी नदी है। हम सब बकुलाही के हैं। बकुलाही सबका पोषण करती है।श बकुलाही के अविरल स्वरूप को पुनरू साकार करने के बाद नदियों और तालाबों को लेकर समाज शेखर की बेचैनी बढ़ने लगी और वे विलुप्त हो चुके तालाबों के पुनरुद्धार में रम गए। दर्जनभर से अधिक तालाबों की जन सहयोग से खुदाई करवाई। फिलवक्त, समाज शेखर इलाहाबाद के यमुनापार क्षेत्र में विलुप्त हो चुकी प्राचीन ज्वाला नदी के पुनरुद्धार में लगे हैं। बकुलाही नदी का परिचय बकुलाही नदी भारत की वेद वर्णित प्राचीन नदियों में से एक है। हिन्दुओं के प्रसिद्ध धार्मिक ग्रन्थ श्वाल्मीकि रामायणश में भी इस नदी का उल्लेख हुआ है। इस नदी का प्राचीन नाम श्बालकुनीश था, किन्तु बाद में परिवर्तित होकर श्बकुलाहीश हो गया। बकुलाही शब्द लोक भाषा अवधी से उद्धृत है। जनश्रुति के अनुसार बगुले की तरह टेढ़ी–मेढ़ी होने के कारण भी इसे बकुलाही कहा जाता है। उद्गम स्थल बकुलाही नदी का उद्गम उत्तर प्रदेश के रायबरेली जनपद में स्थित श्भरतपुर झीलश से हुआ है। यहां से प्रवाहित होकर यह नदी श्बेंती झीलश, श्मांझी झीलश और श्कालाकांकर झीलश से जल ग्रहण करते हुए बड़ी नदी का स्वरूप ग्रहण करती है। जनपद मुख्यालय के दक्षिण में स्थित मान्धाता ब्लॉक को सींचती हुई यह नदी आगे जाकर जनपद के ही खजुरनी गांव के पास गोमती नदी की सहायक नदी सई में मिल जाती है। ये भी पढ़ें, आतंकी हमले के शिकार जावेद व्हील चेयर पर आने के बावजूद संवार रहे हैं दिव्यांग बच्चों की ज़िंदगी पौराणिक उल्लेख बकुलाही नदी का संक्षिप्त वर्णन वेद–पुराण समेत कई धर्मग्रन्थों में है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित वाल्मीकि रामायण में बकुलाही नदी का उल्लेख किया गया है। वाल्मीकि रामायण में बकुलाही नदी का वर्णन इस प्रकार है, जब भगवान राम के वन से वापस आने की प्रतीक्षा में व्याकुल भरत के पास हनुमान राम का संदेश लेकर पहुंचते हैं, तो हनुमानजी से भरतजी पूछते हैं कि मार्ग में उन्होंने क्या–क्या देखा। इस पर हनुमानजी का उत्तर होता है – सो अपश्यत राम तीर्थम् च नदी बालकुनी तथा बरूठी, गोमती चौव भीमशालम् वनम् तथा। इसी तरह इस नदी का वर्णन श्री भयहरणनाथ चालीसा के पंक्ति क्रमांक 27 में इन शब्दों में है – बालकुनी इक सरिता पावन। उत्तरमुखी पुनीत सुहावनघ बकुलाही तट पर स्थित धार्मिक स्थल बकुलाही नदी के तट पर अनेक पौराणिक स्थल हैं। इसके तट पर महाभारत कालीन भयहरणनाथ धाम स्थित है। भयहरणनाथ धाम से कुछ दूरी पर प्राचीन सूर्य मन्दिर स्थित है। विश्वनाथगंज के पास कुशफरा गांव में प्रख्यात शनि पीठ भी इसी नदी के तट पर स्थित है। इसके अलावा भी इस पावन नदी के तट पर अनेक धार्मिक स्थल हैं।

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

रूसी तेल खरीद पर डोनाल्ड ट्रंप का नवीनतम कदम, उनके बयानबाजी और फिर चुपचाप पीछे हटने के सामान्य तरीके से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। एक आश्चर्यजनक उलटफेर करते हुए, उन्होंने रूसी तेल आयात जारी रखने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई की समय सीमा आगे बढ़ा दी है, और ऐसा उन्होंने इतनी दृढ़ता से किया है कि कूटनीतिक और ऊर्जा बाजार दोनों ही हड़बड़ा गए हैं। अब तक, दंडात्मक आर्थिक उपायों के प्रति ट्रंप का दृष्टिकोण मुख्यतरू डींगें हांकने और शेखी बघारने तक ही सीमित रहा हैकृनाटकीय कदमों की घोषणा, केवल दबाव में उन्हें या तो कमजोर करने या विलंबित करने के लिए। हालांकि, इस बार ऐसा लगता है कि वह पहले से कहीं अधिक तत्परता के साथ, अपने कदमों पर अमल कर रहे हैं। प्रतिबंध लगाने के लिए केवल 10 से 12 दिनों की संशोधित समय–सीमा, जबकि बमुश्किल एक पखवाड़े पहले उन्होंने 50 दिनों की मोहलत दी थी, न केवल बयानबाजी में बल्कि संकल्प में भी बदलाव दर्शाती है। वैश्विक तेल बाजारों के लिए, और विशेष रूप से भारत और चीन जैसे देशों के लिए, जिन्होंने रूस के साथ मजबूत तेल व्यापार संबंध बनाए रखे हैं, इस फैसले ने अस्थिरता का एक नया स्तर ला दिया है। इस घोषणा की प्रतिक्रिया में ब्रेंटक्रूड की कीमत पहले ही 3 प्रतिशत बढ़ चुकी है, और यह उथल–पुथल की शुरुआत हो सकती है। ट्रम्प द्वारा अभी भी रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी, सावधानीपूर्वक तैयार की गई वैश्विक ऊर्जा प्रणाली में एक बड़ा झटका साबित होगी। भारत, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से पारंपरिक ऊर्जा समझौतों के उलट जाने के बाद से रियायती रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक रहा है, के लिए दांव अविश्वसनीय रूप से ऊंचे हैं। ट्रम्प प्रशासन द्वारा रूसी तेल खरीदारों के खिलाफ दंडात्मक टैरिफ को फिर से लागू करना उसकी व्यापक विदेश नीति के रुख का भी पुनर्मूल्यांकन है। जबकि पश्चिमी देशों ने, उनसे पहले बाइडेन प्रशासन के नेतृत्व में, तेल की कीमतों को राजनीतिक हेरफेर से दूर रखने की कोशिश की और इसके बजाय आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करते हुए रूसी राजस्व को सीमित करने के लिए मूल्य सीमा तंत्र पर भरोसा किया, ट्रंप के दृष्टिकोण में न तो सूक्ष्मता है और न ही बहुपक्षीय बारीकियां। 100 प्रतिशत टैरिफ की उनकी धमकी उन जटिल भू–राजनीतिक विचारों की अनदेखी करती है जिन्हें भारत जैसे देशों को संतुलित करना होता है। भारत ने लगातार तर्क दिया है कि रूस से उसकी तेल खरीद राष्ट्रीय हित और ऊर्जा सुरक्षा का मामला है, न कि भू–राजनीतिक अवज्ञा का। यूरोप के विपरीत, भारत के पास वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की इतनी आसानी से उपलब्धता नहीं है, और रूस के साथ उसके संबंध दशकों के रणनीतिक और रक्षा सहयोग में अंतर्निहित हैं। अगर ट्रंप के रुख का वास्तविक नीतिगत उपायों के साथ पालन किया जाता है, तो यह भारत को भू–राजनीतिक बंधन में डाल सकता है। ट्रंप के अचानक बदलाव ने अनिश्चितता को और बढ़ा दिया है। ऊर्जा व्यापारियों और नीति निर्माताओं ने पहले की 50–दिवसीय नोटिस अवधि को पचाना शुरू ही किया था कि इस तेजी से कम की गई समय–सीमा ने उन्हें चौंका दिया। यह कदम वैश्विक कूटनीति के प्रति ट्रंप के लेन–देन संबंधी दृष्टिकोण का प्रतीक है। उनकी दुनिया में, व्यापार और राष्ट्रीय हित अविभाज्य हैं, और जो लोग उनके द्वारा परिकल्पित गठबंधन से विचलित होते हैं, उन्हें दंडित किया जाना चाहिए, भले ही वे दीर्घकालिक साझेदार ही क्यों न हों। भारत और चीन को दंडात्मक कार्रवाई के लिए एक साथ रखा जाना इस बात पर प्रकाश डालता है कि जब कथित आर्थिक हित दांव पर होते हैं, तो ट्रम्प का विश्वदृष्टिकोण हमेशा विरोधियों और सहयोगियों के बीच अंतर नहीं करता है। भारत के लिए, इसके परिणाम केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक भी हैं। पिछले दो वर्षों में, रूसी तेल की ओर उसका झुकाव व्यावहारिक रहा है। पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण महत्वपूर्ण छूट पर उपलब्ध रूसी कच्चे तेल ने भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को अन्य देशों द्वारा झेले गए तेल झटकों से बचाने में मदद की। इसने भारतीय रिफाइनरियों को राहत दी और राजनीतिक रूप से संवेदनशील माहौल में घरेलू मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद की। यदि 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा साकार हो जाता है, तो यह सुरक्षा रातोंरात गायब हो जाएगी। भारतीय तेल कंपनियों को या तो रूसी बैरल को पूरी तरह से त्यागना होगा– जिससे उन्हें मध्य पूर्व और अफ्रीका से अधिक सघन और महंगी आपूर्ति के लिए प्रतिस्पर्धा करनी होगी।

– या दंडात्मक लागत वहन करनी होगी, जिसका बोझ लगभग निश्चित रूप से भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। इसके अलावा, ट्रंप की धमकी का समय नई दिल्ली के लिए इससे ज्यादा खतरनाक नहीं हो सकता था। वैश्विक तेल बाजार पहले से ही नाजुक संतुलन में है। ओपेक के उत्पादन में कटौती, चीन की मांग में अनिश्चित सुधार और मौजूदा भू–राजनीतिक अस्थिरता के साथ, कोई भी अतिरिक्त व्यवधान कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी कर सकता है। इसका भारत पर सीधा मुद्रास्फीतिकारी प्रभाव पड़ेगा और रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति गणना जटिल हो जाएगी, ठीक ऐसे समय जब आर्थिक पुनरुद्धार के संकेत मजबूत होने लगे हैं। दबाव में रूसी तेल से जबरन अलगाव निकट भविष्य में भारत की ऊर्जा योजना को पटरी से उतार सकता है। इस दुविधा को और भी जटिल बना रही है ट्रंप की अनिश्चितता। हालांकि उनका हालिया कदम उनकी दृढ़ता का संकेत देता है, लेकिन उनका पिछला रिकॉर्ड यह सवाल भी उठाता है कि क्या यह भी एक बातचीत की रणनीति है? समय सीमा को कम करके और बयानबाजी को तेज करके, ट्रंप खुद को संभावित लाभ के लिए तैयार कर रहे हैंकृशायद असंबंधित व्यापार रियायतें हासिल करने के लिए, या उस वैश्विक व्यवस्था में अपना प्रभुत्व फिर से स्थापित करने के लिए जिसे वे अमेरिकी हितों के विरुद्ध अनुचित रूप से झुका हुआ मानते हैं। भारत के लिए, ऐसी संभावना पर दांव लगाना एक उच्च जोखिम वाला प्रस्ताव है। नई दिल्ली को इस पर विचार करना होगा कि क्या चुपचाप बैकचौनल वार्ता शुरू की जाए या सबसे खराब स्थिति से बचाव शुरू किया जाए। ट्रंप के इस दांव के व्यापक वैश्विक दक्षिण पर भी प्रभाव पड़ेंगे। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के वे देश जो विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए रूसी ऊर्जा पर निर्भर हैं, इस पर कड़ी नजर रखेंगे। अगर ट्रंप के नेतृत्व में संयुक्त राज्य अमेरिका भू–राजनीतिक अनुरूपता के एक सार्वभौमिक उपकरण के रूप में टैरिफ का इस्तेमाल करना शुरू कर देता है, तो यह प्रतिबंधों और ऊर्जा कूटनीति पर पहले से ही कमजोर आम सहमति को बिगाड़ सकता है। भारत, जो लगातार पूर्व और पश्चिम के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करता रहा है।

जस्टिन ट्रूडो और कैटी पेरी के बीच क्या चल रहा है? वायरल तस्वीरों और वीडियो ने मचाई हलचल!

कुछ हफ्ते पहले, मशहूर गायिका कैटी पेरी अभिनेता ऑरलैंडो ब्लूम से अलग होने की खबरों को लेकर चर्चा में थीं। अब एक बार फिर उनकी निजी जिंदगी सुर्खियों में है और इस बार उनका नाम कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से जुडा है। हाल ही में कैटी और ट्रूडो को मॉन्ट्रियल के एक फाइन–डाइनिंग रेस्टोरेंट में साथ डिनर करते देखा गया। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दोनों के बीच श्कुछ तो पक रहा हैश वाली अफवाहें उडने लगीं। इतना ही नहीं, ट्रूडो का एक पुराना वीडियो भी सामने आया है जिसमें वह कैटी के कॉन्सर्ट में नजर आ रहे हैं, जिससे इन अटकलों को और हवा मिली है। मॉन्ट्रियल के ले वायलन रेस्टोरेंट के एक सलाहकार ने पुष्टि की कि पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री आर गायिका ने सोमवार शाम को करीब दो घंटे साथ बिताए। ज्र्ड ने इस मुलाकात की तस्वीरें जारी कीं, जिसके बाद से ही उनके प्रेम संबंधों की चर्चा तेज हो गई। रेस्टोरेंट की सामंथा जिन ने बताया कि दोनों ने खुद को बाकी लोगों से दूर रखा और न तो स्टाफ और न ही किसी और ने उनसे तस्वीर लेने की कोशिश की। जिन ने कहा, श्हमें लगा कि वे थोडे ज्यादा शांत थे।श उन्होंने यह भी साफ किया कि माहौल में रोमांस का कोई संकेत नहीं था, श्किसी तरह के शारीरिक संबंध या ऐसी किसी और चीज का कोई संकेत नहीं मिला। टीएमजेड ने ही सबसे पहले इस डिनर की खबर दी थी और रेस्टोरेंट में ट्रूडो और पेरी के बीच बातचीत का एक वीडियो भी पोस्ट किया था। कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच डिनर डेट की खबरों ने सोशल मीडिया पर खूब हलचल मचाई है। इन अटकलों को और भी ज्यादा बढावा तब मिला जब ट्रूडो का एक पुराना वीडियो सामने आया, जिसमें वह कैटी पेरी के कॉन्सर्ट में नजर आ रहे हैं। इस दौरान ट्रूडो की बेटी भी उनके साथ मौजूद थी। यह वीडियो तब से वायरल हो रहा है जब से कैटी और ट्रूडो की डिनर डेट की तस्वीरें सामने आईं। इस वीडियो में जस्टिन ट्रूडो एक लाइव कॉन्सर्ट में दिख रहे हैं, जिसे कैटी पेरी का बताया जा रहा है। कैटी पेरी हाल ही में अपने लंबे समय के साथी ऑरलैंडो ब्लूम से अलग हुई हैं। वहीं, जस्टिन ट्रूडो और उनकी पूर्व पत्नी सोफी ग्रेगोइरे भी 2023 में अलग हो गए थे। फिलहाल, ट्रूडो और पेरी के प्रवक्ताओं ने दोनों के रिश्ते में होने की खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

राष्ट्रीय पुरस्कार कला और सिनेमा के प्रति मेरे समर्पण को मान्यता–रानी मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में दमदार अभिनय के लिए शुक्रवार को अपने करियर का पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। रानी ने कहा कि यह पुरस्कार न केवल उनके तीन दशक के फिल्मी करियर को, बल्कि कला और सिनेमा के प्रति उनके समर्पण को मिली मान्यता का प्रमाण है। उन्होंने कहा, ''मैं 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में निभाए गए किरदार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पाकर बेहद खुश हूं। संयोग से, यह मेरे 30 साल के फिल्मी करियर का पहला राष्ट्रीय पुरस्कार है। एक अभिनेत्री के रूप में, मैं भाग्यशाली रही हूं कि मेरे खाते में कुछ बेहद शानदार फिल्में शामिल हैं और मुझे उनके लिए बहुत प्यार मिला है। मैं 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में मेरे अभिनय को सम्मानित करने के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जूरी का आभार व्यक्त करती हूं।'' रानी ने कहा, ''मेरे लिए यह पुरस्कार मेरे 30 वर्षों के करियर, कला के प्रति मेरे समर्पण, जिसके साथ मैं गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव महसूस करती हूं, और सिनेमा तथा हमारे इस खूबसूरत फिल्म उद्योग के प्रति मेरे जुनून को मिली मान्यता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस उपलब्धि को फिल्म की पूरी टीम, मेरे निर्माता निखिल आडवाणी, मोनिशा और मधु, मेरी निर्देशक आशिमा छिब्बर और उन सभी लोगों के साथ साझा करती हूं, जिन्होंने मातृत्व की ताकत का जश्न मनाने वाली इस खास फिल्म पर काम किया।

हिट एंड रन केस में असम की एक्ट्रेस नंदिनी कश्यप गिरफ्तार, कार से टक्कर मार 21 वर्षीय छात्र को पहुंचाया मौत के मुंह

असम की मशहूर एक्ट्रेस नंदिनी कश्यप को 25 जुलाई को गुवाहाटी में हुए हिट एंड रन के मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस दुर्घटना में नलबारी पॉलिटेक्निक कॉलेज के 21 वर्षीय छात्र समीउल हक की मौत हो गई थी। पुलिस ने बुधवार, 30 जुलाई को गुवाहाटी से नंदिनी कश्यप को गिरफ्तार किया और उन्हें कोर्ट में पेश करने के लिए ले जाया गया।यह घटना 25 जुलाई की रात गुवाहाटी के ओदलबक्रा इलाके में हुई थी। उस रात समीउल हक गुवाहाटी नगर निगम में नाइट शिफ्ट में कार्यरत थे और स्ट्रीटलाइट ठीक करने का काम कर रहे थे। अचानक एक तेज रफ्तार बोलेरो एसयूवी ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस का दावा है कि यह एसयूवी नंदिनी कश्यप चला रही थीं। हादसे के बाद, आरोपी वाहन मौके से भाग निकला, जबकि समीउल को गंभीर चोटें आईं। समीउल के साथी कर्मचारियों ने उन्हें तुरंत गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अपोलो अस्पताल में भेजा गया। चार दिनों तक इलाज के बाद, 29 जुलाई को समीउल की मौत हो गई। इस मामले में 26 जुलाई को समीउल के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद नंदिनी कश्यप को पूछताछ के लिए बुलाया गया। पुलिस के मुताबिक, कश्यप के खिलाफ आरोप लगाए गए थे कि वह नशे की हालत में थी।

दिवंगत एक्स पति संजय की संपत्ति पर हो रहे विवाद के बीच बच्चों संग एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई करिश्मा

एक्ट्रेस करिश्मा कपूर इन दिनों अपने दिवंगत पूर्व पति संजय कपूर की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रहे कानूनी विवाद को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। वहीं, इसी बीच एक्ट्रेस अपने बच्चों समायरा कपूर और कियान कपूर के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस बड़ी सादगी में नजर आईं, जहां से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। लुक की बात करें तो इस दौरान करिश्मा का बेहद कूल लुक देखने को मिला। उन्होंने एक ओवरसाइज्ड

व्हाइट शर्ट के साथ ब्लैक टाइट्स पहनी। लाइट मेकअप, ब्लैक सनग्लासेस और खुले बालों के साथ उन्होंने अपने लुक को पूरा किया, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। करिश्मा की बेटी समायरा, जो मीडिया की चकाचौंध से दूर पली–बढ़ी हैं, ने भी एक साधारण ब्लैक ड्रेस पहनी। वहीं, उनके छोटे बेटे कियान कपूर व्हाइट पोलो टी–शर्ट और जॉगर्स में कंफर्टेबल लुक में नजर आए। यह घटनाक्रम उस समय हो रहा है जब करिश्मा के पूर्व पति संजय कपूर की विशाल संपत्ति को लेकर कानूनी लड़ाई तेज हो गई है। संजय कपूर का इस साल जून में निधन हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संजय का निधन पोलो मैच के दौरान हुआ, जब वह एक मधुमक्खी निगलने के बाद दिल का दौरा पड़ने से बेहोश हो गए थे। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही किया गया था। संजय कपूर के निधन के बाद, उनकी विशाल संपत्ति को लेकर विवाद शुरू हो गया है। हाल ही में, संजय की मां रानी कपूर ने कुछ गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने एएनआई से बात करते हुए कहा कि उन्हें अभी तक यह पता नहीं चल पाया कि उनके बेटे की मौत कैसे हुई और इस बारे में उन्होंने संदेह भी व्यक्त किया। रानी कपूर ने यह भी दावा किया कि उन्हें दबाव में आकर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया, विशेष रूप से तब जब संजय की विधवा प्रिया सचदेव को परिवार की ऑटो पार्ट्स कंपनी सोना कॉमस्टार में गैर–कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया था। रानी कपूर ने कहा, मुझे अभी भी नहीं पता कि मेरे बेटे के साथ क्या हुआ। मैं अब बूढ़ी हो गई हूं, और जाने से पहले मुझे सब कुछ ठीक करना होगा। हमारी पारिवारिक विरासत को खोना नहीं चाहिए, इसे वैसे ही आगे बढ़ाया जाना चाहिए जैसे मेरे पति हमेशा चाहते थे। करिश्मा कपूर और संजय कपूर की शादी 2003 में हुई थी और यह रिश्ता 2016 तक चला। हालांकि, करिश्मा ने अपने पूर्व पति के निजी और वित्तीय मामलों पर बहुत कम बयान दिए हैं।

'सुपर डांसर चौप्टर 5': अप्सरा की मां से मुलाकात वाला पल देख शिवांगी जोशी हुई इमोशनल

एक्ट्रेस शिवांगी जोशी, जो इन दिनों बड़े अच्छे लगते हैं 4 में नजर आ रही हैं, ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया। ये वीडियो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के पॉपुलर डांस रियलिटी शो सुपर डांसर चौप्टर 5 से था। इस क्लिप में नन्हीं कंटेस्टेंट अप्सरा बोरों नजर आई, जिनके मासूम सपने और खुशी से भरे डांस ने सबका दिल जीत लिया है। इस पल को और भी खास बना दिया जब शो में अप्सरा की अपनी मां से भावुक मुलाकात हुई। शिवांगी जोशी इस लम्हे से काफी भावुक हो गईं और उन्होंने अपनी फीलिंग्स एक प्यारे मैसेज के जरिए शेयर की। उन्होंने लिखा, ये मेरे दिल को छू गया छोटी अप्सरा, जो इतनी मासूमियत से सपने देखती है और खुशी–खुशी नाचती है, आखिरकार अपनी मां के साथ कुछ वक्त बिता पाई। मां के हाथों से खाना खाना, उनके हाथों से बाल संवारना,,, ये छोटी–छोटी चीजें उसके चेहरे पर सबसे प्यारी मुस्कान ले आईं, और हमारी आंखों में आंसू।" अप्सरा की मां, जो खेतों में रोज मजदूरी करती हैं, मंच पर अपनी बेटी के साथ उतरीं शांत लेकिन गर्व से भरी हुई। उस पल में मां का वो बेपनाह प्यार और ताकत झलक रही थी, जो सिर्फ एक मां ही दे सकती है। शिवांगी ने लिखा, "उसकी मां उसके साथ मंच पर खड़ी थी, सिर्फ गर्व के साथ नहीं, बल्कि उस प्यार और ताकत के साथ जो सिर्फ एक मां दे सकती है। इस शो की वजह से अप्सरा को अपनी मां के साथ ये छोटे लेकिन सबसे कीमती पल मिल पा रहे हैंश और यही इस सफर को इतना खास बना देता है।" शिवांगी ने मां और बच्चे के बीच के रिश्ते को लेकर भी अपनी बात कही। उन्होंने इस बंधन को नर्म, मजबूत और बिना कहे समझे जाने वाले प्यार से भरा बताया। उन्होंने अपनी बात का अंत अप्सरा के लिए एक प्यारी शुभकामना के साथ किया "तुम एक छोटी सी चमकती हुई स्टार हो, और मैं दुआ करती हूं कि तुम्हारी मम्मा हमेशा तुम्हें यूं ही चमकते हुए देखती रहें।"अप्सरा की कहानी अब सोशल मीडिया पर खूब शेयर हो रही है। ये हमें याद दिला रही है कि प्यार के छोटे–छोटे काम जैसे खाना खिलाना, बाल बनाना या सिर्फ मां का साथ होना दिल को छू जाने वाले बड़े पल बना सकते हैं। शिवांगी की पोस्ट ने अप्सरा को और भी ज़्यादा प्यार और हिम्मत दी है। अप्सरा एक छोटी सी चमकती हुई बच्ची है, और उसका सफर अब शुरू हुआ है। देखिए सुपर डांसर चौप्टर 5 हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनू लिव पर।

बरसात में बच्चों के लिए जहर हैं ये 5 चीजें, पेरेंट्स तुरंत निकाल दें डाइट से बाहर

पूरे देश में मानसून ने दस्तक दे दी है। ऐसे में इस मौसम में अपने लाइफस्टाइल और डाइट का खास ध्यान रखना पड़ता है। खासकर बच्चों की हेल्थ पर अगर गौर न किया जाए तो वह बहुत ही जल्दी बीमारियों की चपेट में आने लगते हैं। पेरेंट्स को इस मौसम में बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखना चाहिए। इस मौसम में कुछ चीजें बच्चों को देने से उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि ऐसी कौन सी चीजें हैं जो आपको बच्चों को इस मौसम में नहीं देनी चाहिए...

सॉफ्ट ड्रिंक

इस मौसम में बच्चों को सॉफ्ट ड्रिंक बिल्कुल भी नहीं देनी चाहिए। बारिश के मौसम में इन ड्रिंक्स के सेवन से बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है। बरसात में इम्यूनिटी कमजोर होने का मतलब है कि आसानी से सर्दी जुकाम और बुखार से शरीर का घिरना। इसके अलावा सॉफ्ट ड्रिंक पीने से पाचन शक्ति भी प्रभावित होती है जिससे शरीर कई बीमारियों से घिर सकता है।

दही

बरसात के मौसम में दही बच्चों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गर्मियों में तो इसका सेवन करने से पेट संबंधी समस्याओं का बचाव रहता है परंतु मानसून में

इसे बच्चों को देने से उन्हें सर्दी लग सकती है। इसके अलावा यदि आपके बच्चे साइनस का शिकार हैं तो दही खाने से उनका स्वास्थ्य और भी ज्यादा बिगड़ सकता है। ठंडा दही देने की जगह आप बच्चों को सादा दही खाने के लिए दे सकते हैं।

कच्ची सब्जियां

कच्ची सब्जियों बच्चों के लिए इस मौसम में खतरनाक हो सकता है। बरसाती मौसम में सब्जियों पर बैक्टीरिया आसानी से पनपने लगते हैं ऐसे में यदि बच्चे इस मौसम में बिना धोए सब्जियां खाते हैं तो उनके पेट में जर्म्स जा सकते हैं जिसके कारण उनका पेट खराब होने लगता है और उन्हें पाचन संबंधी बीमारियां हो सकती हैं।

फ्राइड फूड

बारिश के दिनों में फ्राइड फूड बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो इसका सेवन करने से पाचन धीमा होने लगता है। खासकर मानसून में बच्चों का पाचन स्वस्थ रहना बहुत ही आवश्यक है ताकि उनकी इम्यूनिटी मजबूत हो सके। अगर बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होगी तो उनकी सेहत पर इसका गलत प्रभाव पड़ेगा। पकौड़े, ब्रेड पकौड़ा और आलू टिक्की जैसी चीजों से बच्चों को बिल्कुल दूर रखें।

स्ट्रीट फूड्स

बरसात में स्ट्रीट फूड्स बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है क्योंकि खुले में होने के कारण इन पर आसानी से कीचड़ जमा होने लगते हैं। यह बैक्टीरिया फूड आइटम्स में भी जा सकते हैं। अगर जर्म्स लगा हुआ स्ट्रीट फूड बच्चे खा लें तो उनकी सेहत खराब हो सकती है।

बरसात में बढ़ सकता है करोना का खतरा, होम्योपैथिक दवाओं से पाएं जबरदस्त सुरक्षा कवच

बरसात ने पूरे देश में दस्तक दे दिया है। प्राकृतिक परिवर्तनों के साथ थोड़ी सी सावधानी और जागरूकता से हम इस सुहाने मौसम का भरपूर लुत्फ उठा सकते हैं। वरना बरसात अपने साथ हरियाली और जल ही नहीं रोगों की भरमार भी लेकर आती है। प्राकृतिक परिवर्तनों से होने वाले सामान्य रोग सर्दी, जुकाम ,खांसी बुखार, मक्खी–मच्छरों से फैलने वाले रोग डायरिया ,पीलिया, डेंगू ,मलेरिया एवं नमी और उमस के कारण उत्पन्न होने वाले फंगल रोग दाद, दिनाय, फोड़ा– फुंसी ,खुजली तथा पैरासाइटिक रोग जैसे अनेक तरह के कृमीजनित संक्रमण, स्केबीज व फाइलेरिया इत्यादि घात लगाए अपनी बारी की तलाश में हैं। बरसात का मौसम सभी को फलने फूलने का अवसर प्रदान करता है। पेड़–पौधे, जीव– जंतु ,कीड़े– मकोड़े मक्खी–मच्छर सबकी प्रजनन और बढ़ावे का सहयोगी मौसम तो होता ही है साथ ही साथ वायरस बैक्टीरिया पैरासाइट्स एवं फंगस भी तेजी से बढ़ते हैं। नदी –नाले भी उफान पर रहते हैं और जलजमाव भी वाटर बार्न रोगों को शरण देने के लिए तत्पर। यहां हम बरसात के कारण होने वाले सर्दी–जुकाम की चर्चा करेंगे।

सर्दी–जुकाम, खांसी–बुखार

बरसात के मौसम में प्रकृति निरंतर परिवर्तनशील बनी रहती है।गर्मी, सर्दी ,सीड़न, उमस एवं तूफानी मौसम का सामना व्यक्ति को एक ही दिन में करना पड़ सकता है। ऐसी अवस्था में इन परिवर्तनों से सबका शरीर सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाता जिससे शरीर का ठंडा या गर्म हो जाना, मुंह ,नाक ,कान ,आंख एवं इंटेस्टाइन के म्यूकस मेंब्रेन का आक्रांत हो जाना सामान्य बात है। जिसके कारण सर्दी जुकाम खांसी बुखार बदन दर्द एवं पेट की गड़बड़ियां उत्पन्न हो सकती हैं। जो कुछ समय बाद स्वयं भी अथवा कुछ सामान्य दवाओं के प्रयोग से ठीक हो सकते हैं। परंतु कोरोना वायरस की भी प्रारंभिक लक्षण यही हैं जो मरीज के भीतर भय और चिकित्सक के अंदर आशंका पैदा कर सकते हैं। ऐसी अवस्था में पेशेंट के अंदर निडरता और डॉक्टर के अंदर सतर्कता का होना जरूरी है।

कारण–––

1–बरसात के समय तापमान में परिवर्तन।

2–आद्रता में परिवर्तन।

3–विभिन्न प्रकार के एलर्जेंट जैसे सीड़न, माइट्स, जलजमाव के कारण आने वाली सड़ांध भरी गंध, विभिन्न प्रकार के फूलों के मकरंद, कीड़े मकोड़े एवं

किताबों और कपड़ों पर नमी के कारण पैदा होने वाले कवक इत्यादि।

4– बरसात के जल में भींगने की असहिष्णुता।

5– इनफ्लुएंजा वायरस।

6– जुकाम पैदा करने वाले सामान्य कोरोना वायरस।

7– गला मुंह नाक और आंख के म्यूकस मेंब्रेन में निवास करने वाले न्यूमोकोकस बैक्टीरिया के एक्टिवेट हो जाने के कारण।

8– रक्त में स्नोफिल की संख्या बढ़ जाने के कारण।

क्या करें क्या ना करें––

वैसे तो कोरोना संक्रमण के कारण आजकल सभी लोग बचाव के अनेक उपाय कर रहे हैं जो वर्षा काल के सर्दी –जुकाम के लिए भी कारगर सिद्ध होंगे। कुछ उपाय निम्नवत हैं–

1– अनावश्यक बारिश में भीगने से बचें। यदि भींग जाते हैं तो जितना जल्दी संभव हो वस्त्रों को बदलकर अच्छी तरह शरीर को पोंछकर सुखा लें।

2– नहाने से पहले पूरे शरीर को सरसों के तेल अथवा ऑलिव ऑयल से मालिश करें।

3– गुनगुने गर्म पानी में नमक डालकर गरारा करें।

4– घर में सीड़न ना होने दें।

5– घर के आस–पास जलजमाव को होने देने से रोकें। हैंडपाइप का पानी उबालकर ठंडा कर के ही पिएं। भरसक फ्रिज का पानी ना पिएं।

6– चाय की जगह तुलसी अदरक काली मिर्च दालचीनी मुलेठी इत्यादि का काढ़ा बनाकर सेवन करें।

7– घर में मकड़ी का जाला न लगने दें।

8–किताबों को समय–समय पर धूप दिखाते रहें।

9– व्यायाम प्राणायाम और योगासनों से अपने को चुस्त दुरुस्त रखें।

10– मौसमी फलों आम, नींबू, आंवला और सुपाच्य भोजन को ही ग्रहण करें।

11– मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग इस मौसम के सर्दी जुकाम के लिए भी बहुत कारगर हैं।

12– बहुत लोगों को पार्थेनियम और यूकेलिप्टस जैसे घास और पेड़ों से एलर्जी होती है जो इस मौसम में बढ़ जाती है ।यदि

उन्हें पता हो तो इनसे बचकर रहें।

13– सर्दी जुकाम होते ही पहले के दिनों की तरह निश्चिंत ना होकर तुरन्त अपने चिकित्सक की सलाह लें वह आपको सही सलाह और सही औषधि दे पाएगा। अनावश्यक घबराए ना जिससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहेगी। ऐसा करना इस कोरोना कॉल में अत्यंत आवश्यक है।

होम्योपैथी बचाव और चिकित्सा–

होम्योपैथी में सर्दी जुकाम खांसी बुखार की अनेकानेक आराम देने वाली औषधियां उपलब्ध हैं ,जो रोग होने के पूर्व और बाद सफलतापूर्वक प्रयोग की जा सकती हैं।

बचाव–

1– मौसम के प्रारंभ में ही एक खुराक इनफ्लूएंजिनम 200 एवं 2 दिन बाद आर्सेनिक अल्ब 200 की एक खुराक लेकर सर्दी जुकाम से बचा जा सकता है।

2– यदि किसी को दूरस्थ बादलों के आगमन की सुगबुगाहट से ही जुकाम हो जाता हो तो डल्कामारा 200 की कुछ खुराकें हीं उसके बचाव के लिए काफी हैं।

3– यदि किसी को भींग जाने के कारण यह शिकायत हो रही हो तो सीजन के प्रारंभ में ही एवं एक दो बार बीच में भी रस टॉक्स 1ड. की एक खुराक ले लेनी चाहिए।

4– घर में सीलन और आसपास जलजमाव के कारण होने वाले जुकाम खांसी बुखार से बचाव के लिए नेट्रम सल्फ 200 कि एक खुराक 15 दिन पर एक बार कारगर सिद्ध होगी।

5– यदि स्टॉर्मी वेदर के कारण ऐसा कुछ हो रहा हो तो रोडोडेंड्रान 1डकी एक खुराक प्रत्येक 15 दिन पर बहुत ही फायदेमंद होगी।

6– मकड़ी के जालों नम किताबों पटनी और सेल्फ पर बैठी धूल से एलर्जी होने पर अंब्रोसिया ए10डकी कुछ खुराकें सदा के लिए मुक्ति दिला सकती हैं ।

7– पार्थेनियम की एलर्जी को ऐंटीपायरिन 200 के प्रयोग से खत्म किया जा सकता है।

8– इस्नोफीलिया की वजह से यदि सर्दी जुकाम खांसी हो तो एड्रीनलिन 1ड रोज सुबह दोपहर शाम लेने पर दो–तीन दिन में ही आराम हो जाता है। इस्नोफिल भी सामान्य अवस्था में पहुंच जाती है।

सर्दी जुकाम खांसी हो जाने पर–लक्षणानुसार एकोनाइट ,आर्सेनिक एल्बम ,रस टॉक्स ,डल्कामारा नेट्रम सल्फ, रोडोडेंड्रान , यूपेटोरियम पर्फोरेटम, अमोनियम कार्ब , हिपरसल्फ ,नक्स वॉमिका इत्यादि होम्योपैथिक दवाएं अत्यंत कारगर हैं।

(बचाव अथवा चिकित्सा वाली उपरोक्त दवाएं होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह पर ही ली जानी चाहिए)।

झुर्रियों से लेकर एक्ने दूर करेंगे कॉफी आइसक्यूब, चेहरे पर लगाने से होगें ढेरों फायदे

धूल–मिट्टी और बढ़ते प्रदूषण के कारण महिलाएं कई तरह की स्किन समस्याओं से जूझ रही हैं। समय से पहले चेहरे पर झुर्रियां आना, पिपंल्स आना इनमें से एक आम समस्या है। ऐसे में इससे बचने के लिए वह कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी इस्तेमाल करती हैं लेकिन समस्या से राहत नहीं मिल पाती। स्किन प्रॉब्लम्स दूर करने के लिए आप कॉफी से बने आइसक्यूब्स इस्तेमाल कर सकती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि आप चेहरे पर इनका कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं...

त्वचा होगी टाइट

कॉफी को स्किन पर लगाने से रक्त प्रवाह ठीक होता है। इससे आपकी स्किन भी नैचुरली तरीके से टाइट होती है। कॉफी से बने आइसक्यूब आंखों की सूजन भी दूर करते हैं।

सनटैन से होगा बचाव

कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जो त्वचा के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। यह आपकी स्किन को यूवी किरणों से बचाने में मदद करते हैं। इसके अलावा इनके इस्तेमाल से आपकी त्वचा भी सनटैन से बची रहेगी और इसको ठंडक भी मिलेगी।

खुलेंगे त्वचा के रोमछिद्र

इन्हें चेहरे पर लगाने से मुंहासे भी दूर होते हैं। चेहरे पर कॉफी से बने आइसक्यूब्स लगाने से त्वचा की डेड स्किन भी निकलती है।

ऑयली स्किन से मिलेगी राहत

गर्मी में अगर आपकी स्किन ऑयली होती है तो कॉफी से बने आइसक्यूब्स काफी फायदेमंद हो सकते हैं। यह त्वचा पर ऑयल का उत्पादन करने वाले सीबम को कंट्रोल करने में मदद करेंगे।

कैसे बनाएं कॉफी आइसक्यूब्स?

. सबसे पहले एक पैन में 1 गिलास गर्म पानी कर लें।

. इसके बाद इसमें 2 चम्मच स्ट्रॉन्ग कॉफी डालें और 1 मिनट के लिए उबाल लें।

. फिर इसमें 1/2 चम्मच शहद डालें और ठंडा होने के लिए रख दें।

. जैसे मिश्रण ठंडा हो जाए तो उसे आइस क्यूब्स ट्रे में डालकर फ्रीजर में रख दें।

. 4–5 घंटे के बाद निकालें आपके आइस क्यूब्स तैयार हो जाएंगे।

चेहरे पर लगाने का तरीका

. सबसे पहले चेहरा अच्छे से धो लें।

. इसके बाद त्वचा को टॉवल से सुखाएं।

. फिर एक कॉटन के कपड़े में आइसक्यूब्स लपेट लें।

. इसके बाद कपड़े के साथ 5–10 मिनट के लिए चेहरे पर इनकी मसाज करें।

. जैसे यह आइसक्यूब्स के साथ मसाज पूरी हो जाए तो चेहरा ऐसे ही छोड़ दें।

. बाद में नॉर्मल पानी के साथ चेहरा धो लें।

घर में बनाएं कैफे जैसी क्रीमी और टेस्टी कोल्ड कॉफी, नोट करें आसान रेसिपी

गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है। ऐसे मौसम में तरह–तरह की कोल्ड ड्रिंक्स पीने का मन करता है। घर पर भी रोजाना लस्सी और शरबत जैसी चीजें बनती हैं, लेकिन अगर आप इन सब ड्रिंक्स स बोर हो गए हैं और कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं तो कोल्ड कॉफी बना सकती हैं। इसका स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक सबको बहुत पसंद आएगा। इसके लिए आपको कैफे जाने की जरूरत नहीं है। बस घर पर ही आप इसके बहुत आसानी से बना सकते हैं। आइए आपको बताते हैं इसकी रेसिपी....

सामग्री

कॉफी पाउडर– 4 बड़ी चम्मच

फुल क्रीम दूध– 4 कप

चीनी (पीसी हुई)– 3/4 कप

चॉकलेट सिरप (चॉकलेट को मेल्ट करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं)

कोल्ड कॉफी बनाने की विधि

1. सबसे पहले एक ग्लास में चॉकलेट सिरप डालकर उसे फ्रिज में रख दें।

2. अब एक कप में 2 बड़े चम्मच गुनगुना पानी लें। इसमें कॉफी डालकर अच्छी तरह से मिला लें।

3,. अब दूध, पानी में फेंटी हुई कॉफी, चीनी और आइसक्यूब्स को लेकर मिक्सर में डालकर चला लें।

4. झाग होने तक मिक्सी चलाते रहें।

5. अब फ्रिज से ग्लास निकालकर इसमें कोल्ड कॉफी डल लें। चाहें तो ऊपर से और चॉकलेट सिरप डाल लें।

6. आपकी कोल्ड कॉफी तैयार है।

बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज का घातक प्रदर्शन जारी, पहली पारी में 4 विकेट लेकर स्टोक्स को पछाड़ा

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला लंदन के ओवल में जारी है। भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट गंवाकर 75 रन बना लिए हैं। आकाश दीप चार रन और यशस्वी जायसवाल 51 रन बनाकर नाबाद हैं। केएल राहुल सात रन और साई सुदर्शन 11 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले इंग्लैंड की पहली पारी 247 रन पर समाप्त हुई थी, जबकि भारत ने अपनी पहली पारी में 224 रन बनाए थे। टीम इंडिया की बढ़त अब 52 रन की हो चुकी है। भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का जलवा जारी है। जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में उन्होंने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया और पहली पारी में चार विकेट झटके। बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज बल्लेबाजों के लिए और घातक साबित होते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि उनके आंकड़े बता रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने चार विकेट लेकर बेन स्टोक्स को भी पीछे छोड़ दिया है। शुक्रवार के दिन ओवल टेस्ट में 15 विकेट गिरे। यह इस सीरीज के एक दिन के खेल में सर्वाधिक है। इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन 14 विकेट गिरे थे। दरअसल, इस सीरीज में दो टेस्ट ऐसे आए, जिनमें बुमराह नहीं खेले। इससे पहले एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बुमराह नहीं खेले थे। उस मैच को भारत ने 335 रन से जीता था और इतिहास रचा था। उस मुकाबले में भी सिराज ने गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया था और घातक गेंदबाजी की थी। उस टेस्ट में सिराज ने पहली पारी में छह विकेट और दूसरी पारी में एक विकेट लिया था। अब उन्होंने कुछ ऐसा ही ओवल में आखिरी टेस्ट में किया है। ओवल टेस्ट की पहली पारी में सिराज ने कप्तान ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल के महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा ने भी चार विकेट लिए, जबकि आकाश दीप को एक विकेट मिला। सिराज ने फ्रंट से लीड किया और इंग्लैंड के मुख्य बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। सिराज ने अब तक 41 टेस्ट की 75 पारियों में 31.49 की औसत से 118 विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उन्होंने चार बार पारी में पांच विकेट लिए, जबकि 15 रन देकर छह विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा है। इन 75 पारियों में से 28 पारियों में सिराज के साथ बुमराह नहीं थे। यानी बुमराह उन पारियों में सिराज के साथी गेंदबाज नहीं थे। वैसी 28 पारियों में सिराज ने 25.6 की बेहतरीन गेंदबाजी औसत से 44 विकेट चटकाए। वहीं, बुमराह के साथ उन्होंने टेस्ट की 47 पारियों में गेंदबाजी की है और 35 की गेंदबाजी औसत से 74 विकेट चटकाए। यानी बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज बेहद घातक साबित हुए हैं। चार विकेट लेने के साथ ही सिराज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 विकेट भी पूरे हो गए। उन्होंने टेस्ट में 118 विकेट लेने के अलावा वनडे में 71 और टी20 में 14 विकेट लिए हैं। वह इस मुकाम को छूने वाले भारत के 15वें तेज गेंदबाज बने। इतना ही नहीं, सिराज ने मौजूदा एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी में 18 विकेट ले लिए हैं और बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ इस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने 35.7 की औसत से ये विकेट लिए हैं। इस सीरीज में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 70 रन देकर छह विकेट रहा है और ऐसा उन्होंने एजबेस्टन टेस्ट में किया था। स्टोक्स के 17 विकेट हैं, लेकिन वह इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। इन दोनों के बाद जोश टंग का नंबर आता है, जिन्होंने 15 विकेट लिए हैं।

एशिया कप टी20 में नहीं खेलेंगे बुमराह? रिपोर्ट में दावा– अगर वह इस टूर्नामेंट में खेले तो...

नई दिल्ली। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चाहे खेलें या न खेलें, वह अक्सर चर्चा में रहते हैं। उन्हें शुक्रवार को इंग्लैंड दौरे पर गई टीम से रिलीज कर दिया गया, क्योंकि वह पांचवें टेस्ट का हिस्सा नहीं हैं। अब उनको लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, अगले महीने शुरू होने वाले एशिया कप में बुमराह के खेलने पर सस्पेंस है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर वह एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में खेलते हैं तो आगे की सीरीज में उनके खेलने पर संशय बना रहेगा। ऐसे में बुमराह को एशिया कप से आराम दिया जा सकता है। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेना है। एशिया कप की शुरुआत नौ सितंबर से होने जा रही है। वहीं, भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 14 सितंबर को है। बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दौरान तीन टेस्ट का कोटा पूरा करने के बाद शुक्रवार को राष्ट्रीय टीम से रिलीज कर दिया गया और अब भारतीय क्रिकेट के हितधारकों ने उनकी अगली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता पर चर्चा शुरू कर दी है। 31 वर्षीय बुमराह ने तीन मैचों में 119.4 ओवर गेंदबाजी की और 14 विकेट लिए। बीसीसीआई ने शुक्रवार को विज्ञप्ति में कहा, शजसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम से रिलीज कर दिया गया है। बुमराह ने हेडिंग्ले और लार्ड्स टेस्ट मैचों में पारी में पांच विकेट लिए। हालांकि, मैनचेस्टर में बुमराह ने अपने करियर में पहली बार एक पारी में 100 से ज्यादा रन भी खर्च किए। बुमराह के अब 48 टेस्ट में 219 विकेट हो गए हैं। भारत की लंदन रवानगी से पहले चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने पुष्टि की थी कि अपने कार्यभार प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए यह तेज गेंदबाज तीन से अधिक टेस्ट नहीं खेलेगा। अब सवाल यह उठता है कि बुमराह आगे कौन सा प्रारूप खेलेंगे? भारत को एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भाग लेना है और अगर बुमराह इसके लिए चुने जाते हैं तो उनके एशिया कप के बाद एक हफ्ते के अंदर वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने की संभावना कम हो जाएगी। एशिया कप का समापन 29 सितंबर को होगा और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट दो अक्तूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा। इसके बाद भारत को नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

संक्षिप्त

अमेरिकी टैरिफ के दबाव से एफपीआई का रुख बदला, जुलाई में बाजार से निकाले 17741 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ने जुलाई में भारतीय बाजारों से कुल 17,741 करोड़ रुपये निकाले। इसी के साथ वे इक्विटी बाजार में शुद्ध विक्रेता बन गए हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। अप्रैल, मई और जून के दौरान लगातार तीन महीनों के सकारात्मक निवेश के बाद यह एफपीआई द्वारा नकारात्मक निवेश का पहला महीना है। जुलाई के आखिरी हफ्ते में अचानाक हुई बिकवाली के चलते धारणा में यह भारी बदलाव आया। 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच, विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से 17,390.6 करोड़ रुपये निकाले। इससे कुल मासिक आंकड़ों पर गहरा असर पड़ा और जुलाई का निवेश नकारात्मक दायरे में चला गया। यह बिकवाली दबाव मुख्य रूप से अमेरिका की ओर से लगाए गए ने टैरिफ शुल्कों के कारण है। इसका असर कई अन्य देशों के साथ भारत पर भी भारी पड़ा। जुलाई में हुई हालिया बिकवाली के साथ, कैलेंडर वर्ष 2025 में एफपीआई द्वारा कुल शुद्ध बहिर्वाह अब 1,01,795 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

मई में एफपीआई का प्रदर्शन अब तक सबसे अधिक रहा

आंकड़ों से यह भी पता चला कि मई में 2025 में अब तक सबसे अधिक एफपीआई प्रवाह देखा गया। वहीं जनवरी में सबसे बड़ी बिकवाली देखी गई। इसमें 78,027 करोड़ रुपये की शुद्धि बिक्री हुई।

टैरिफ और भू–राजनीतिक तनाव का पड़ेगा असर

एफपीआई के रुझान में बदलाव से भारतीय इक्विटी बाजार के लिए चिंताएं बढ़ गई हैं। इसे पिछले महीनों में विदेशी निवेशकों से मजबूत समर्थन मिल रहा था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की ओर से पारस्परिक टैरिफ और अमेरिका और रूस के बीच भू–राजनीतिक तनाव जैसे वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम आने वाले हफ्तों में एफपीआई व्यवहार को प्रभावित करते रहेंगे।

पिछले महीनों का प्रदर्शन

पिछले महीने जून में, एफपीआई ने भारतीय बाजार में 14,590 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। मई में, विदेशी निवेशकों ने 19,860 करोड़ रुपये का निवेश किया। इससे एफपीआई प्रवाह के लिहाज से यह साल का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला महीना बन गया। हालांकि, इस साल की शुरुआत में, एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से अच्छी–खासी रकम निकाली थी। उन्होंने मार्च में 3,973 करोड़ रुपये, जबकि जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये और फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

एफसीआरए उल्लंघन में केरल के ट्रस्ट की ईडी जांच; सेबी अध्यक्ष बोले– धोखाधड़ी पर जीरो टॉलरेंस

ईडी ने केरल के कासरगोड स्थित एक चौरिटेबल ट्रस्ट पर विदेशी मुद्रा अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) का मामला दर्ज किया है। ट्रस्ट पर एफसीआरए के कथित उल्लंघन के तहत विदेश से 220 करोड़ रुपये प्राप्त करने का आरोप है। यह जांच कुन्हाहमद मुसलियार मेमोरियल ट्रस्ट और उसके अध्यक्ष, एनआरआई इब्राहिम अहमद अली के खिलाफ की जा रही है। ईडी ने कहा कि मामले के सिलसिले में गुरुवार को कासरगोड में दो स्थानों पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत तलाशी ली गई। ईडी के अनुसार ट्रस्ट को 2021 से इब्राहिम अहमद अली से 220 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त हुए। अली को ये धनराशि यूनिवर्सल लुब्रिकेंट्स एलएलसी नामक यूएई कंपनी से प्राप्त हुई थी। बाजार नियामक सेबी ने वित्तीय धोखाधड़ी के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। सेबी के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमने ऐसे अनैतिक व्यवहार और प्रथाओं पर लगाम लगाने के लिए नियामक हस्तक्षेप से लेकर प्रवर्तन कार्रवाइयों तक, कई तरह के उपाय किए हैं। आगे भी हमारा ध्यान लगातार ऐसी धोखाधड़ी के प्रति निवेशकों की जागरूकता बढ़ाने पर रहेगा।

बेहतर मानसून से खरीफ बुवाई तेज, कृषि जीवीएऔर ग्रामीण मांग में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली। इस सीजन खरीफ फसलों की बुवाई पिछले साल की तुलना में अधिक होने की उम्मीद है। अनुसंधान फर्म आईसीआरए की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार अच्छे मानसून की बदौलत खरीफ की बुवाई 76 प्रतिशत पूरी हो चुकी है। जुलाई 2025 तक इसमें चार प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई। जून और जुलाई के बरसात के महीनों में बोई जाने वाली खरीफ फसलें मुख्य रूप से मूंग, चावल और मक्का हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि अगस्त और सितंबर के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा का आईएमडी का पूर्वानुमान खरीफ फसलों की निरंतर बुवाई के लिए अच्छा संकेत है। साथ ही जलाशयों के दोबारा भरने से अक्टूबर से मार्च तक रबी सीजन के दौरान बुवाई को बढ़ावा मिलेगा। आईसीआरए के अनुसार जुलाई 2025 के दौरान भारत में सामान्य से अधिक वर्षा होगी। पूरे दक्षिण–पश्चिम मानसून सीजन के दौरान वार्षा की मात्रा दीर्घाधि औसत (एलपीए) के 106 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। फर्म को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन की सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वृद्धि लगभग 4.5 प्रतिशत होगी। इसके अलावा, वास्तविक ग्रामीण मजदूरी में वृद्धि जनवरी 2025 के शून्य स्तर से बढ़कर मई 2025 में चार प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे ग्रामीण उपभोग मांग को बढ़ाने में मदद मिलेगी। GVA यानी सकल मूल्य वर्धन। कृषि जीवीए का मतलब है कि कृषि क्षेत्र द्वारा उत्पादित वस्तुओं (जैसे अनाज, फल, सब्जियां) और सेवाओं (जैसे पशुपालन, मत्स्य पालन) के कुल मूल्य को दर्शाता है। इसमें से बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि जैसे उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं और सेवाओं की लागत को घटा दिया जाता है

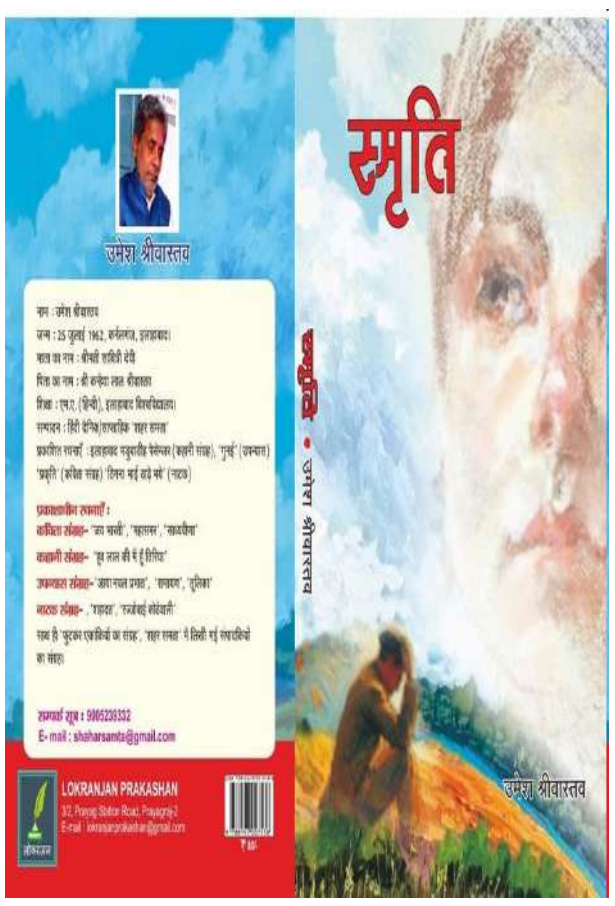

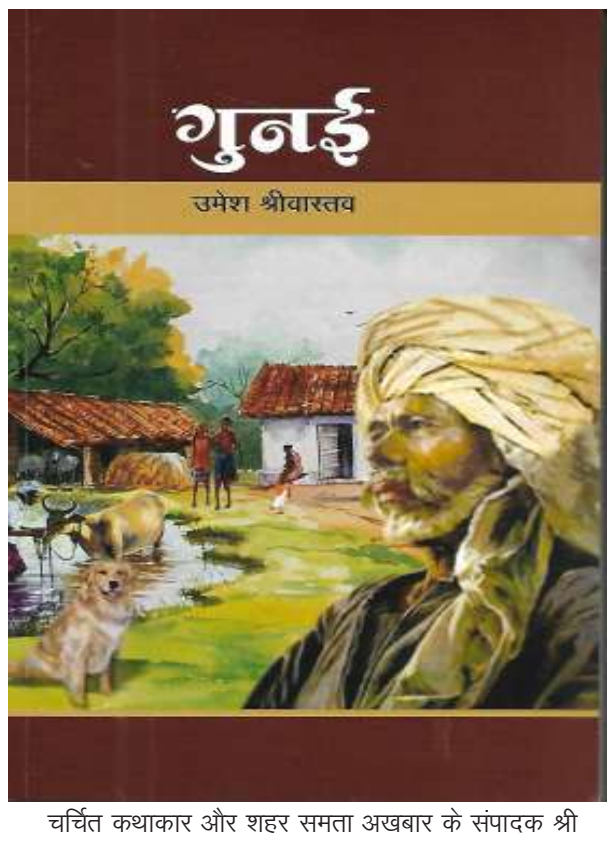

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

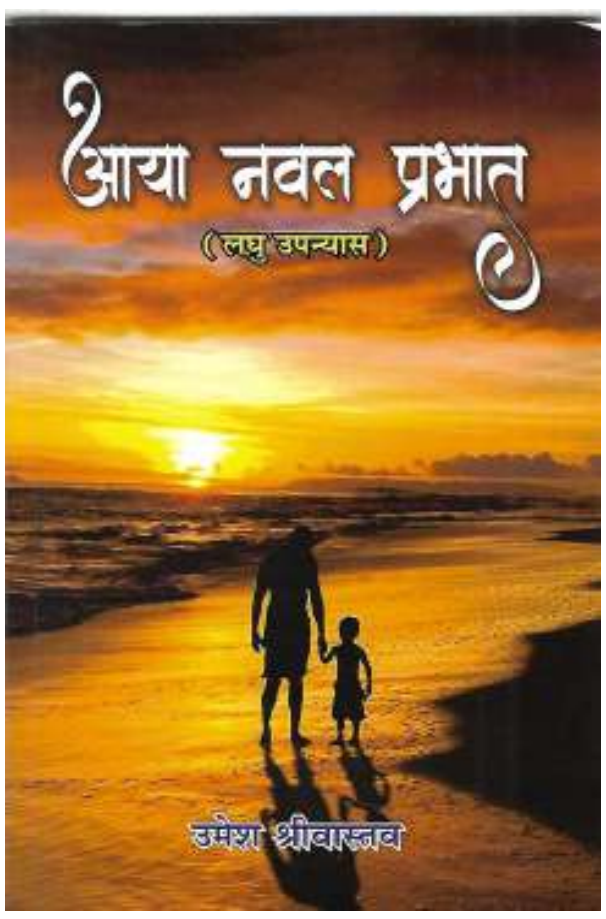

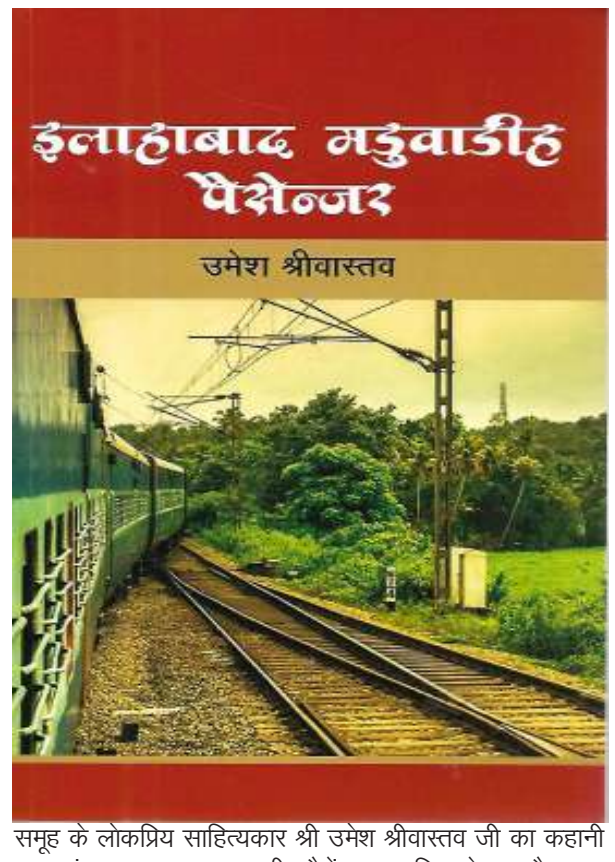

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

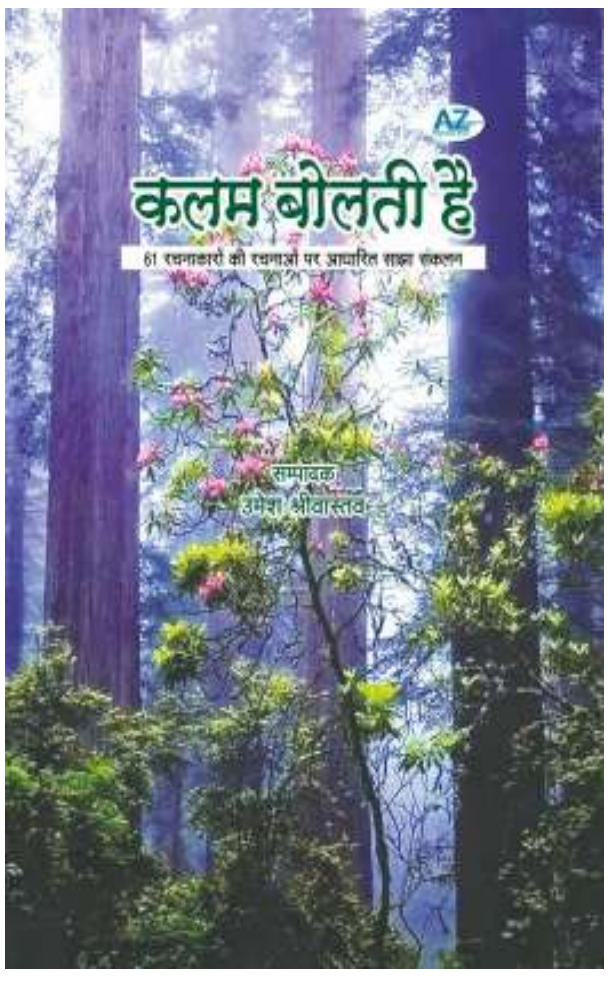

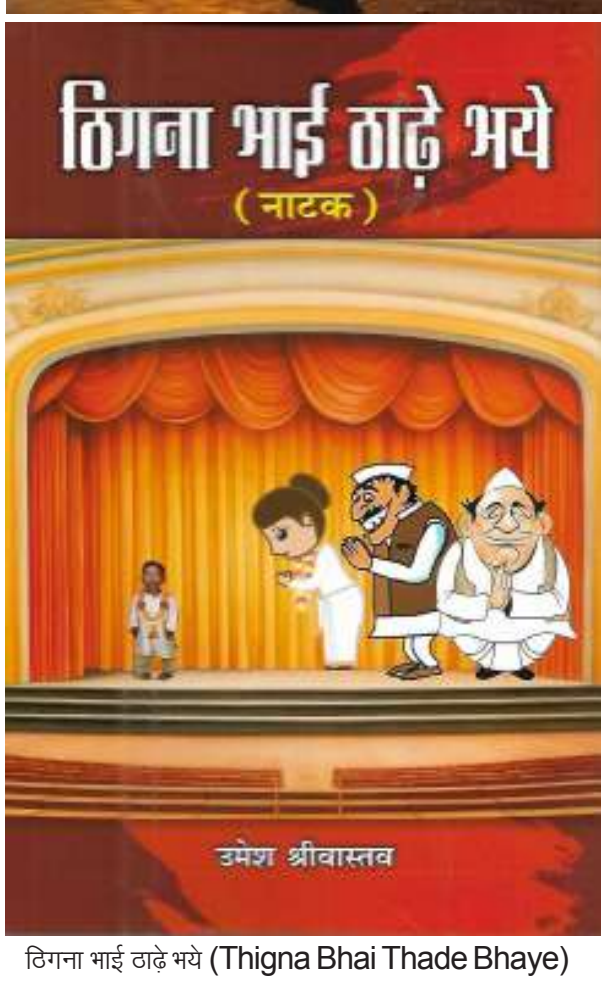

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने रूस के पूर्व राष्ट्रपति के बयानों के बाद अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती का आदेश दिया

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के पूर्व राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव द्वारा ''अत्यधिक भड़काऊ बयान'' दिए जाने के बाद शुक्रवार को कहा कि उन्होंने दो अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों को उचित इलाकों में तैनात करने का आदेश दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि मेदवेदेव के ''अत्यधिक भड़काऊ बयानों'' के आधार पर उन्होंने दो परमाणु पनडुब्बियों को उचित क्षेत्रों में तैनात करने का आदेश दिया है ताकि ये भड़काऊ

बयान कहीं गंभीर रुख न अख्तियार कर लें। राष्ट्रपति ने कहा, "शब्दों का सही इस्तेमाल बहुत जरूरी होता है और अकसर इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह दोबारा नहीं दोहराया जाएगा।" हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं सका कि ट्रंप के इस आदेश का अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। ये पनडुब्बियां नियमित रूप से दुनिया के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त करती रहती हैं लेकिन ट्रंप प्रशासन का यह फैसला रूस के साथ संबंधों में एक नया दौर ले आया है। ट्रंप ने मेदवेदेव को ''रूस का एक असफल पूर्व राष्ट्रपति'' करार दिया और उन्हें ''अपने शब्दों के इस्तेमाल पर ध्यान देने'' की चेतावनी भी दी। मेदवेदेव 2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति रहे थे।

ज़ेलेंस्की ने की यूक्रेन शांति वार्ता में ट्रंप की भूमिका की सराहना, कहा कि पुतिन अकेले युद्ध समाप्त कर सकते हैं

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस के साथ युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रयासों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और किसी भी समय रूसी नेतृत्व के साथ सीधे मुलाकात करने के लिए यूक्रेन की तत्परता दोहराई। एक्स पर एक पोस्ट में ज़ेलेंस्की ने लिखा कि हम रूस के युद्ध को समाप्त करने, हत्याओं को रोकने और एक सम्मानजनक एवं स्थायी शांति स्थापित करने के राष्ट्रपति ट्रम्प के /च्व्ज्ै प्रयासों को देखते हैं और उनका समर्थन करते हैं। हम दुनिया भर में उन सभी के आभारी हैं जो शांति प्रयासों का समर्थन करते हैं और जीवन की रक्षा में हमारी मदद करते हैं। यह बयान यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा निर्धारित त्वरित समय–सारिणी के बीच आया है। वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक सारा केली ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि डोनाल्ड ट्रम्प को उम्मीद है कि रूस और यूक्रेन के बीच 8 अगस्त तक युद्धविराम समझौता हो जाएगा। सारा केली ने संयुक्त राष्ट्र को बताया, ष्रूस और यूक्रेन दोनों को युद्धविराम और स्थायी शांति के लिए बातचीत करनी चाहिए। अब समझौता करने का समय आ गया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्पष्ट कर दिया है कि यह 8 अगस्त तक हो जाना चाहिए। अमेरिका शांति सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त उपाय लागू करने के लिए तैयार है। डोनाल्ड ट्रंप ने पहले कहा था, इंतज़ार करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं उदारता दिखाना चाहता हूँ, लेकिन हमें कोई प्रगति होती नहीं दिख रही है। अपनी पोस्ट में, वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने मास्को से हाल ही में मिले उन संकेतों को स्वीकार किया जो बातचीत के लिए संभावित खुलेपन का संकेत देते हैं, लेकिन देरी की रणनीति को वास्तविक इरादे के रूप में गलत समझने के प्रति आगाह किया। उन्होंने लिखा कि अगर ये युद्ध को गरिमा के साथ समाप्त करने और स्थायी शांति स्थापित करने की सच्ची इच्छा के संकेत हैं और सिर्फ़ युद्ध के लिए और समय खरीदने या प्रतिबंधों में देरी करने का प्रयास नहीं हैं तो यूक्रेन एक बार फिर नेताओं के स्तर पर किसी भी समय मिलने के लिए अपनी तत्परता की पुष्टि करता है।

अमेरिकी समर्थन के बावजूद चीन से दोस्ती नहीं तोड़ेगा पाक, रावलपिंडी हेडक्वार्टर में धूमधाम से मना चीनी सेना की 98वीं वर्षगाँठ का समारोह

पाकिस्तान की सेना ने शुक्रवार को रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर (GHQ) में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) की 98वीं वर्षगांठ पर भव्य समारोह आयोजित किया। इस आयोजन के माध्यम से इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच गहराती रक्षा साझेदारी को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया गया। यह समारोह ऐसे समय आयोजित हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान से होने वाले आयात पर 19: का अप्रत्याशित टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। यह फैसला वॉशिंगटन और इस्लामाबाद के बीच नए व्यापार समझौतों के तुरंत बाद आया। हम आपको बता दें कि ळभ्फ में आयोजित समारोह में पाकिस्तान की सेना ने अपने रणनीतिक रुख को स्पष्ट कर दिया। कार्यक्रम में सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने चीनी राजदूत जियांग ज़ैदोंग और च्स्। के रक्षा अटैची मेजर जनरल वांग झोंग की मेजबानी की। इस समारोह में सैन्य सम्मान, संयुक्त रक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी और स्पष्ट राजनीतिक संदेश शामिल थे। मुनीर ने पाकिस्तान–चीन संबंधों को आपसी विश्वास और साझा नियति का प्रतीकष् बताते हुए PLA और पाकिस्तानी सेना को आयरन ब्रदर्स कहा। मुनीर का संदेश स्पष्ट था कि पाकिस्तान, अमेरिका के साथ लेन–देन आधारित संबंधों और घरेलू आर्थिक संकटों के बीच भी, चीन के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे गठबंधन को नहीं छोड़ेगा। देखा जाये तो IMF की कड़ी शर्तों और पश्चिमी फंडिंग के अनिश्चित स्रोतों के बीच, इस्लामाबाद खुद को बीजिंग के साथ खड़ा पाने में ज्यादा सुरक्षित महसूस करता है। च्स्। के साथ ष्आयरन ब्रदर्सष् का संबोधन कर सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने साफ कर दिया कि बीजिंग–इस्लामाबाद का रक्षा व आर्थिक गठजोड़ पाकिस्तान की सुरक्षा व विकास नीति की रीढ़ है। दूसरी ओर, चीन के लिए यह समारोह कूटनीतिक जीत साबित हुआ। इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिका के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, दक्षिण एशिया में एक परमाणु संपन्न सहयोगी पर गहरी पकड़ बनाना बीजिंग की क्षेत्रीय उपस्थिति को मजबूत करता है। GHQ में आयोजित समारोह चीन की पाकिस्तान में प्राथमिक रक्षा और विकास साझेदार के रूप में भूमिका का स्पष्ट राजनीतिक समर्थन था। यह साफ देखने में आ रहा है कि अमेरिकी समर्थन के बावजूद, रावलपिंडी अप्रभावित है। बदलते वैश्विक गठबंधनों के दौर में पाकिस्तान ने पश्चिमी साझेदारों के अनिश्चितता वाले रुख की बजाय बीजिंग के साथ स्थिरता पर दांव लगाया है। यह एक ऐसा दांव है जो आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को बदल सकता है। बहरहाल, चीन को दक्षिण एशिया में एक स्थायी और गहरे सहयोगी के रूप में पाकिस्तान की उपस्थिति अमेरिका के खिलाफ वैश्विक शक्ति संतुलन में फायदा देती है। GHQ समारोह ने यह संदेश दिया है कि चीन का प्रभाव पाकिस्तान की रक्षा और विकास नीतियों में स्थायी है। देखा जाये तो भारत के लिए यह चिंता का विषय है। चीन और पाकिस्तान का गहराता गठबंधन क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को और जटिल बना सकता है।

मोदी–पुतिन से कितना डरते हैं ट्रंप! इस महिला ने खोल दिया राज

पीएम मोदी और पुतिन को अपना पक्का दोस्त बोलने वाले डोनाल्ड ट्रंप अब मोदी और पुतिन से ही डरने लगे हैं। डर भी छोटा मोटा नहीं है। डर ऐसा है कि ट्रंप अजीब अजीब हरकते करने लगे हैं। हाल ही में एक रिपोर्ट जारी हुई जिसमें बताया गया कि पुतिन की अपने देश में अप्रूवल रेटिंग 86 प्रतिशत है। यानी 86 प्रतिशत रूसियों को पुतिन पर अभी भी भरोसा है। ये पुतिन की ताकत है। इसके बाद एक और लिस्ट जारी हुई जिसमें पुतिन को छोड़कर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं के नाम बताए गए। इस लिस्ट में पीएम मोदी 75 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ नंबर वन पर रहे। यानी 75 प्रतिशत भारतीय लोगों को पीएम मोदी पर भरोसा है। ये मोदी की ताकत है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप तब घबरा गए जब उनकी अप्रूवल रेटिंग सिर्फ 44 प्रतिशत रही। मोदी नंबर वन पर थे तो डोनाल्ड ट्रंप आठवें नंबर पर आए। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप इतना डर गए कि उन्होंने पीएम मोदी और पुतिन को धमकियां देनी शुरू कर दी। लोकप्रियता के भूखे डोनाल्ड

ट्रंप ने अपने प्रेस सचिव से एक ऐसा ऐलान कराया जिसे सुनकर उनका डर साफ झलकता प्रतीत होता है। ये आई तो डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ करने के लिए थी। लेकिन इसके बयान से साबित हो गया कि डोनाल्ड ट्रंप पीएम मोदी और पुतिन से कितना डरते हैं। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट मीडिया के सवालों का जवाब देती हैं। डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी प्रशासन के फैसलों के बारे में दुनिया को बताती हैं। लेकिन इस बार डोनाल्ड ट्रंप की छवि को बचाने के लिए कैरोलिन लीविट ने ऐसा ऐलान कर दिया। जिसे सुनकर भारत रूस समेत पूरी दुनिया हंस रही है। खुद अमेरिकी लोग भी हंस रहे हैं। कैरोलिन लीविट ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि हम सब मिलकर डोनाल्ड ट्रंप को शांति का नोबेल पुरस्कार दिलवाए। क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने हर महीने औसतन एक जंग रुकवाई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने दावा किया कि ट्रंप ने दुनिया भर के कई संघर्ष क्षेत्रों में कई शांति समझौते और युद्धविराम करवाए हैं। उन्होंने कहा कि ये शांति समझौते औसतन हर महीने एक होते हैं और उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने की मांग दोहराई। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ने अब थाईलैंड और कंबोडिया, इज़राइल और ईरान, रवांडा और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, भारत और पाकिस्तान, सर्बिया और कोसोवो, और मिस्र और इथियोपिया के बीच संघर्ष समाप्त कर दिया है। इसका मतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने छह महीने के कार्यकाल के दौरान औसतन हर महीने लगभग एक शांति समझौता या युद्धविराम करवाया है। अब समय आ गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाए। ट्रम्प ने बार–बार भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता को रोकने का श्रेय लिया है, क्योंकि नई दिल्ली ने आतंकी ढाँचे पर सटीक हमलों के बाद इस्लामाबाद की आक्रामकता का प्रभावी ढंग से जवाब दिया था। हालाँकि, भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों का खंडन किया और अपनी नीति दोहराई कि भारत और पाकिस्तान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मामले को द्विपक्षीय रूप से सुलझाएँगे।

चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर ISS पर पहुंचा स्पेसएक्स, 15 घंटे में पूरा किया सफर; छह महीने बिताएंगे

स्पेसएक्स कैप्सूल शनिवार को चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा। नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने के बाद से लेकर स्टेशन तक पहुंचने में कैप्सूल ने 15 घंटे का समय लिया। अंतरिक्ष स्टेशन पर गए चार अमेरिकी, रूसी और जापानी अंतरिक्ष यात्री स्टेशन पर छह महीने बिताएंगे और परिक्रमा करेंगे। इसके अलावा स्पेसएक्स आईएसएस में पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर बुधवार तक वापस आएगा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नासा के जेना कार्डमैन और माइक फिन्के, जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव गए हैं। जैसे ही कैप्सूल ने दक्षिण प्रशांत महासागर के ऊपर डॉक किया तो फिन्के ने रेडियो पर कहा कि हैलो, अंतरिक्ष स्टेशन। अब अंतरिक्ष स्टेशन पर यात्रियों की कुल संख्या अस्थायी रूप से 11 हो गई। उनका स्वागत करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों ने उनके लिए ठंडे पेय और गर्म भोजन की व्यवस्था की थी। बता दें कि जेना कार्डमैन और एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को पिछले साल स्पेसएक्स की एक उड़ान से नासा ने भेजा था। जब बोइंग स्टारलाइनर परीक्षण के लिए पायलट बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को भेजा गया तो कार्डमैन को वापस बुला लिया गया था। वहीं माइक फिन्के और किमिया युई को पहले स्टारलाइनर मिशन के लिए प्रशिक्षण लेने जाना था। लेकिन थ्रस्टर और अन्य समस्याओं के कारण स्टारलाइनर के 2026 तक उड़ान भरने के बाद दोनों स्पेसएक्स में चले गए। वहीं कुछ साज्ल पहले अज्ञात बीमारी के कारण प्लाटोनोव को सोयुज प्रक्षेपण दल से हटा दिया गया था।

286 दिन बाद लौटीं थीं सुनीता विलियमस

पिछले साल पांच जून को बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल में खराबी आने के बाद सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर अंतरिक्ष में फंस गए थे। 18 मार्च को 286 दिन बाद उनकी पृथ्वी पर वापसी हुई। यह मिशन सिर्फ आठ दिन का ही था, लेकिन हीलियम लीक और थ्रस्टर में खराबी के कारण उनकी वापसी नहीं पाई। सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर को एलन मस्क की कंपनी चंबमग के ड्रैगन क्रू कैप्सूल से वापस लाया गया था।

क्या है ड्रैगन कैप्सूल?

SpaceX का ड्रैगन क्रू कैप्सूल को बनने के बाद से 46 बार लॉन्च किया जा चुका है। ड्रैगन क्रू कैप्सूल 42 बार अन्तरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा कर चुका है। इसके अलावा दो दर्जन से अधिक बार रीफ्लाइट हुई है। इसमें एक बार में सात अंतरिक्ष यात्री बैठ सकते हैं। दुनिया का यह पहला निजी अंतरिक्ष यान है, जो लगातार अंतरिक्ष स्टेशन पर एस्ट्रोनॉट्स और कार्गो लेकर आता–जाता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227